

सधे ॥ ह महा नाज सत्य ध्वज त्रव ध्व वि शुभ मया स विष्णु न ॥ ॥ वि शुभ म ॥ ॥
 सत्य ॥ ह भील व नी त्रय व नी वी न ध्वज नाज कू मा न सूर्य द्वि म की सखी न
 सम नी वि चक्र का ट वा न जिन त्रय त्रय द्वि क्ता य दे दा ॥ ॥ नाज
 या ॥ ॥ सत्य ध्वज नाम नाज सत्य वन गुणी त्रय नी त्रय व न ट र
 मी या दा जि न स न व नी ली ॥ ह भील व नी त्रय व नी वी न ध्वज नाज कू मा
 न सूर्य द्वि म की न स म नी स खि वि चक्र का ट वा न य थि द सत्य व
 नी न ल प नी या नाज सत्य ध्वज नाम जी ॥ ॥ सधे ॥ ह महा नाज कू

प्रदि

प्र. ६

लयालसनयुक्त नयक दश विधाक ॥ ॥ गीलव रुमहा राजादि
नैखं नरत्न विनतीयाय मनस विधाइ न ॥ ॥ सत्य रुमीलवगीछ
नकाज ॥ ॥ गीलव (श्रुत) ॥ ॥ गीलवगी नाम गाली गुल गील हि दं ध
ला ॥ पव गन नयादा नृत्त रुमी सजियनि रुमहा राजा थि द रि द
खराय थल छल पा ल सम ग दा गीलवगी नाम गाली दि ॥ ॥ सत्य रु
पिय गीलवगी छन य नूँ झाक ॥ ॥ नृपव रुमहा राजा दि नखं नरत्न वि
न गियाय मनस विधाइ न ॥ ॥ सत्य रु पिय नृपवगी छन झाज ॥

का २

प्र. ६

नृपव (श्रुत) ॥ ॥ गाली नृपवगी नाम नृप न न गि अ उ गि ॥ यादा पव म
न स नै खरा व गुल रिं पू ला ॥ रुमहा राजा थि द न गि रु नदी छल पा
ल स न गुग कं ग या नृपवगी नाम गाली दि ॥ ॥ सत्य रु पिय नृपवगी
छन युक्त न झाक ॥ ॥ वीन च उ रु व रु सत्य च उ दि नै खं नरत्न विन
गियाय द स विधाइ न ॥ ॥ सत्य रु वीन च उ ना ज क मान छन झाज ॥
वीन च (श्रुत) ॥ ॥ वीन च उ नाम वलि नाम दे वी न जि गु ली ॥ पव म या दा
न स नै न ग रु मी स रु न द न ॥ रु व रु सत्य च उ थि द न गि वीन छल

प्र. दि.
४

या लसपुण वीनचउनामजि॥ ॥ सत्य रुवीनचउनाउकुमानरु
नयूकलाक॥ ॥ सुवृद्धि रुमहानाउसत्यचउ जिनेखंरुक्कीविनगी
यायदसविष्ठाइने॥ ॥ सत्य रुमलि सुवृद्धि रुनलाउ॥ ॥ मलि
क॥ ॥ सुवृद्धि मली वउवमनुनास कलंमइ। यवगंनगरमीस याः
दाधर्मवर्लथला॥ रुमहानाउसत्यचउ थथिद रुनिवृद्धिमनकलया
लसमली सुवृद्धिनामजि॥ ॥ सत्य रुमली सुवृद्धि रुनयूक
लाक॥ ॥ नसम रुमहानाती नृपवगी जिनेखंरुक्कीविनगीयाय
वृद्धि रुमहानाती नृपवगी जिनेखंरुक्कीविनगीयाय दसविष्ठाइने॥ ॥ मी

प्र. दि.
५

खीवृद्धिमली रुनलाउ॥ ॥ वृद्धि (अक) ॥ सखी वृद्धिमली नृपवृद्धिमली रुनलाउ॥ ॥
दसविष्ठाइने॥ ॥ नृपव रुसखी वसमगी रुनलाउ॥ ॥
नसम (अक) ॥ ॥ सखी वसमगी नाम कलासनि पूर्णइयाः यवमन
त्ययाकुस याकाजि नसनेदका॥ रुमहानाती नृपवगी थथिद रुन
कअसउ रुलयालस सखी वसमगी नामजि॥ ॥ नृपव रुसखी
वसमगी रुनलज (थलाक) ॥ ॥ काट रुमहानाउ जिने थउमहि
माखं लाय॥ ॥ सत्य रुविचकल काट वाच रुनलाउ॥ ॥ का
ट (अक) ॥ ॥ विचकल नामथनी दानपाल याविचकलानृय

नसने नृपव रुमली थनिइइरुमा
रुमहानाती नृपवगी

पु. १६

मन्दिन सयादा प्रवमवल लाकडि॥ ह म हा ना ऊ थ थि ठ कुर नि व ल
लाक, छे ल पा ल स का ठ वा ल वि व क र ना म डी॥ ॥ सत्य, रु वि व क
र का ठ वा न, छे न ख उ खं झा क॥ ॥ सत्य, रु गी ल व नी, नृ प व नी, नृ
दि ला क प नि, नृ अ मि मि स, थ अ न ल प्नी न ग नी अ न न्था॥ ॥ सर्व
ह म हा ना ऊ, सत्य व्रज, नृ व म्भ वि द्वा द न॥ ॥ सत्य व्रज दि सर्व नि
स्सा न भ॥ ना ग धी॥ या॥ सु न्द नी रु न ष ष थ अ द म अ न न न, य रु न थ
थ न म ग या अ ई क म्दि नी द वी रु न, गु न ग ल स म य न य म, अ य य
प त्र जा या य ग न इ ख स र्त्त द क प न, या य त्रि न वि न ल म्भ या अ॥ ॥

पु. १७

का ग न थ र्वं झा क, ला क स ला य क स न, थ न म इ व क्क उ न, थ न उ स उ
क्क स न ला क॥ ॥ भ प्प न॥ ॥ अ अ क न स ल सा ड॥ ॥ ख अ क स स
॥ सर्व, ह म हा ना ऊ सत्य व्रज न ना र्न वि द्वा द न॥ ॥ सत्य, रु गी ल व
नी नृ प व नी, नृ दि ला क प नि, नृ व म्भ अ न न्था॥ ॥ ॥ २ ॥ ॥
थ न सत्य व्रज दि अ अ नि र्पे ड॥ अ य म क स स॥ रु गी ल व नी, नृ प व नी, नृ
दि ला क प नि, नृ अ मि मि स, न ल प्नी न ग नी अ न न्था॥ ॥ सर्व, म हा
ना ऊ सत्य व्रज, नृ व म्भ वि द्वा द न॥ ॥ द्वि ह य क स स॥ सर्व, ह म हा

पु. १८

नाउसत्यवज्जननानेविष्ठाइन ॥ ॥ सत्य, रुमीलवगीन्यवगीनरादि-
लोकपनि नरवग्धजनन्या ॥ ॥ दथस ॥ ॥ सत्य, रुमीलवगीन्यवगी-
नरादिलोकपनि मिमिसनलपनीनगनीथना, नराथनरवचिविष्ठा मयाद-
जयान ॥ ॥ सर्व, रुमलनाउसत्यवज्जननानेविष्ठाइन ॥
॥ ॥ विष्ठा म ॥ ॥ सत्य, रुमीनवज्जननाउकुमान, सुवृद्धिमलि विवक-
काटवान, छपनिजाडा, नाश्याचर्चायाडाडावाथा ॥ ॥ वीन, सुवृ-
ट, रुमलनाउ नरवग्धमि, छलपालसवनसजिघनीयमाम ॥

पु. १९

दथस ॥ ॥ वीन, रुमलि सुवृद्धि, विवक काटवान, नराजिमिमिस-
नाश्याचर्चायागजनन्या ॥ ॥ मलि, काट, रुनाउकुमान वीनवज्ज-
नरवग्धविष्ठाइन ॥ ॥ यननाउकुमानादि उंगियेपि ॥ ॥ यथकुम-
रासाक्षापायाउलि ॥ ॥ द्विदयशमस ॥ ॥ मलि, काट, रुनाउकु-
मान, वीनवज्ज ननानेविष्ठाइन ॥ ॥ वीन, रुमलि सुवृद्धि, विवक का-
टवान, नरवग्धजनन्या ॥ ॥ सखी, रुमलनाली, न्यवगी, जिनग्ध-
न, न्यकायाउरुय ॥ ॥ नृप, रुसखीनसमगीरुति ॥ ॥ सखीरुमन

प्रदि

पिडी॥ ॥सत्यरुपायपियात्री, भीलवगी, रूपवगी, कृपनिनिद्रसु
पसो न्दर्थगुनखकाजिभनकरिर्वचनरुल दिनखं गरुळी झा यद
का॥ भील, रूप, रुपायनाथ जियनि कलपातस करीन॥ ॥ नाकाया
दाहा॥ सुन्दरी पल्लवानगि सुन्दन कन खानखकाजि, नसगाभसुशल
वचलचिह्नदिह्मनखलाजि॥ भीलगिअ कनमान, सनसन खकि
झिलाजि, नसयासमयस याजि थमननसिकनराजि॥ ॥ भीलरूप
या दाहा॥ परुच्छिस्यान नसिकन कामसमान, नवलजि झानउ

प्रदि

हावलनदिन नरयान॥ मइजिफमानवयस् करगिनपुलान क्रमादय
मालयमनविषकनयान॥ ॥ थननाका नाहीया गृभय॥ ॥ नागना
ठ॥ ॥ ॥ ममिजिनि कृगि नगि, विसुक्रमि कृगि, निनियनि यगि गगि
सिसमगि धिगि, कृगिमखनयगि जिमिवजिमगि, रुगिरुगि, सिसन
गि, धिचननगिमगि॥ झाकद्विउयनयगि, खअखकुरुगि, गिजनसु
गत रुलखामिगानि॥ भपृ८ ॥ ॥ सत्यरुपायपियात्री, भीलवगी, रू
पवगी, कृपनि सलाजि खकाजि, जिभनस करि नानन्दरुल॥ ॥

७६
 १२
 मील, नृप, रुखा धनाथ, क्रिय निरुद्धानी, नरवल्लभा वनयमरु, रुः
 मायासु विष्णुयमाल ॥ ॥ नाडा, रुखा धायियात्री, मीलवती, नृपव
 नी नराडा नरानन्दन खवि विष्णुमयाय ॥ ॥ मील, नृप, रुखा धनाथ
 नरवन्धविष्णुमयासु विष्णुदहन ॥ ॥ विष्णुम ॥ ॥ यनसखी, ग्या
 लवयजाकाजा, मयन इडाजा ॥ ॥ रुमहाना ली, नृपवती, ग्यालव
 यकासु विष्णुदहन ॥ ॥ नृप, रुसखी वरमती नरवन्धयनजयासु वि
 ष्णु ॥ ॥ सखी विष्णुम ॥ ॥ यननाडा कमानादिडाजा निपेद ॥ ॥

७६
 १२
 सक ॥ वीन, रुमन्ना, रूद्धि, विवकृषकाटवान, नाश्च चन्द्रायाकाजा
 डाययना, नराडा वक्षयासु डाननया ॥ ॥ मलिकाट, रुनाडा कमा
 नवीनधज, नरवन्धविष्णुदहन ॥ ॥ दिक्क ॥ ॥ मलिकाट, रुना
 डा कमानवीनधज, ननान विष्णुदहन ॥ ॥ वीन, रुमन्ना, रूद्धि, विव
 कृषकाटवाल, नरवन्धजननया ॥ ॥ नाडा कमानादि, रुमहानाडा म
 हाना ली, छलपालया वनसक्रियन्म ॥ ॥ नाश्चयावर्षायाकाजा
 ययना ॥ ॥ सखी, रुनाडा कमान, मलीकाटवान, यनडायाडावाका

प्रति

नाउरुमागादि, रुमहानाउरुवग्ध्य ॥ ॥ नाउरुमागादिविष्णु
म ॥ ॥ सत्य, रुमीतवगी, नृपवगी, नरादिला कयनि, नराजमिपिस
नरस्यननसउदाशयान ॥ ॥ सर्व, रुमहानाउरुवग्ध्यविष्णुहर्ष ॥
॥ सत्यचजादि, सर्वपविक्रययिंउ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ धनचक्रादरुना
जा, पद्मावगी, नलावगी, सुनीगिमन्नी, नंजनासखी, वीनवन्दुकाट
वाचयवग्ध्य ॥ ॥ नागशी ॥ वा ॥ वैयावगी, युनिपति, इत्यवव
मः ॥ ५ ॥ पत्रिजनसहिगन, नरतिरिदरु ॥ ॥ चतुयविमलम

प्रति

निःशक्रदरुनामः ॥ ५ ॥ रुविपदरुजनन, पुल्लय काम ॥ झाकउय
यकामनमइ, यस्मान, प्यादिग, सहलरिदकिलवखान ॥ मय
र ॥ ॥ शक्रद, रुयद्मावगी, नलावगी, सुनीगिमन्नी, नंजनासखी, वीन
वन्दुकाटवाच, यनखविविष्णुमयादाशयान ॥ ॥ सर्व, रुमहानाउ
रुवक्रदरु, नरवग्ध्यविष्णुमयाहविष्णुहर्ष ॥ ॥ विष्णुम ॥ ॥ शक्रद, रु
यद्मावगी, नलावगी, सुनीगिमन्नी, नंजनासखी, वीनवन्दुकाटवाच, जिन
रुवक्रदरु, रुयदरु ॥ ॥ सर्व, रुमहानाउरुवक्रदरु, नराहदसविष्णु

पुदि

इत ॥ ॥ वक्रदरु (सूक्त) ॥ ॥ वै पावती नगरीया नाज्ञा वीन वलं थ
ला ॥ वक्रदरु नाम मन्त्री यवमनंग संशया ॥ रूप प्रावगी नलावगी सुनी
मिमन्ती नंजना सखी वीन वलं काटवान थथी द नरि वीन वै पावती य
नीया नाज्ञा वक्रदरु नाम जी ॥ ॥ सर्व रुमहा नाज्ञा वक्रदरु कुलया
लसनयुक्त ग्राह्य दस विद्याक ॥ ॥ यद्वा रुपाधनाथ दिनै लव न
रुपि नगीयाय मनन स विद्याय माल ॥ ॥ वक्र रुपिथ यद्वा वगी कु
नला ॥ ॥ यद्वा (सूक्त) ॥ ॥ यद्वा वगी नाम वीली सुन्दरी उदरिथ

पुदि

ला यवमन वल रुमी स्यादा दिन सिका रुया ॥ रुपाधनाथ थथि द रु
लया लसनयुक्त यद्वा वगी नाजी डि ॥ ॥ वक्र रुपिथ यद्वा वगी कुन
युक्त थलाक ॥ ॥ नलाव रुपाधनाथ दिन लव रुपि विनगीयाय म
नन स विद्याय माल ॥ ॥ वक्र रुपिथ नलावगी कुनला ॥ ॥ नलाव
सूक्त ॥ ॥ नाजी नलावगी नाम नका सुन्दरी रुया जया जी नल याव
स यउनाथी रुया नगी ॥ रुपाधनाथ थथि द रु लया लसनयुक्त नला
वगी नाजी डि ॥ ॥ वक्र रुपिथ नलावगी कुन युक्त थलाक ॥ ॥

प्र.दि

सुनी. ह म ह न अ. जि न र व क र्त्तु वि न गी या य द स वि द्या इ न. ॥ ॥ उ क्त ह
म लि सु नी गि क न क्ता अ. ॥ ॥ सु नी. ॥ ॥ सु नी गि ना म म लि जि. ना म
दं म लु ना ख सी. न ल य या द स न स न य व ग न अ या थ नी. ॥ ह म ह न अ थ पि
द क्क ल याल स. म ली सु नी गि ना म जी. ॥ ॥ उ क्त ह म लि सु नी गि. क न य क
थ क्ता क. ॥ ॥ स खी. ह म ह न अ नी प प्रा व गी. जि र व क र्त्तु द स वि द्या म
माल. ॥ ॥ य प्रा. ह स खी नं ज ना. क न क्ता अ. ॥ ॥ नं ज ना. ॥ ॥
सु न वी नं ज ना ना म. स खी न लि क र्त्तु स या. य व ग न स न या द न ग र

प्र.दि

मी स जी य नि. ॥ ह म ह न अ नी. य प्रा व गी थ पि द क्क ल याल स स खी. नं ज
ना ना म जी. ॥ ॥ य प्रा. ह स खी नं ज ना. क न ख अ थ क्ता क. ॥ ॥ वी
न व. जि न थ अ म लि मा क्ता य. ॥ ॥ उ क्त ह वी न व नु का ट वा न क्ता
अ. ॥ ॥ का ट. ॥ ॥ वी न व नु ना म वी न. का ट वा न व लं थ ला. ॥
या द न य व ग न स न. इ द या थ स जी क जी. ॥ ह म ह न अ थ पि द क्क ल य
ल स द न या न वी न व नु ना म जी. ॥ ॥ उ क्त ह का ट वा न. क न ख अ थ क्ता
क. ॥ ॥ उ क्त ह य प्रा व गी न ला व गी. न र दि ला क य नि. क र अ पि पि

पु.दि.

सु.ध.अ.व.पा.व.गी.पू.नी.सै.अ.न.नू.या.॥ ॥ सर्व.रु.म.रु.ना.ऊ.नू.व.ग्य.वि.
वि.अ.इ.न.॥ ॥ ध.न.व.प्र.द.रु.दि.सु.व.वै.पा.व.गी.उ.नि.स्साल.॥ ॥
ना.ग.का.रि.॥ नू.॥ अ.न.ध.नि.सू.द.नी.ध.अ.वै.पा.व.गी.पू.नी.नू.न.था.
न.स.रु.द.य.का.अ.प.न.जा.प.नि.सु.जि.न.सु.ख.इ.ख.सु.य.रि.न.व.रु.व.थ.नी.
नि.ग.या.अ.॥ इ.का.क.उ.य.प.का.ग.न.सु.य.ध.म.वि.र्ये.क.न.ध.ल.नि.म.ग.ल.न.
मा.रु.दि.उ.नू.दि.व.न.स.ध.अ.क.सु.व.न.म.स.वा.स.नि.ख.सु.ख.इ.नू.पा.न.
॥ म.पू.१० ॥ ॥ य.रु.रु.सा.उ.॥ ॥ दि.रु.॥ रु.मा.रु.ना.ऊ.न.न.नी.

पु.दि.

वि.अ.इ.न.॥ ॥ उ.प्र.रु.प.मा.व.गी.न.ला.व.गी.नू.व.ग्य.अ.न.नू.या.॥ ॥
सू.४ ॥ ॥ ध.न.स.ख.व.जा.दि.प.त्रि.क.प.इ.॥ वि.अ.म.॥ ॥ स.ख.व.
उ.रु.भी.ल.व.गी.नू.प.व.गी.नू.दि.ला.क.प.नि.नू.अ.ध.न.ख.वि.वि.अ.
म.या.दा.उ.वा.न.॥ ॥ सर्व.रु.म.रु.ना.ऊ.स.ख.व.उ.नू.व.ग्य.वि.अ.म.
या.सु.वि.अ.इ.न.॥ ॥ वि.अ.म.॥ ॥ ध.न.ना.ऊ.द.न.म.लि.स.न.ग.
॥ स.ख.रु.म.लि.सु.व.डि.दि.नू.नि.न.दि.न.म.रि.द.ना.ना.दा.न.या.य.व.
क.म.न.न.रु.न.या.सा.मा.ना.न.ला.न.वि.अ.यु.आ.हि.ग.वा.न.क.न.अ.अ.॥ ॥

प्रदि

सुवर्द्धि रुमरावाज सख्य च ज नरवग्ध यास विद्या इ न ॥ ॥ यनवाज
विशम ॥ ॥ सुवर्द्धि रु काठ वान विव कल य प्रादि न वा दा अदि उ
॥ काठ रु मलि रा इ नरवग्ध ॥ ॥ मलि विशम ॥ ॥ काठ नरा अदि
प्रादि न वान अम ॥ ॥ यन काठ वान प्रादि न वां अं द व न यि ॥
॥ यन काठ वान न प्रादि न वा दा अ रु अ म ॥ ॥ नाग आ ॥
चा ॥ रु न स म न स ग स अ न द न वान नृ य नि स य प्रादि न डि
न ग अ रा ल ॥ क म्दि नि स ग अ य प का म न झाल विवि ध क न म

प्रदि

या य म न ग य माल ॥ क ॥ भ य ११ ॥ ॥ य क्म ॥ काठ रु प्रादि न
रा रु मरा वा जा या रा ला न नाने विद्या इ न ॥ ॥ य प्रा रु काठ वान
नरवग्ध अ न नृ या ॥ ॥ द्वि क्म ॥ रु काठ वान न नाने अ न नृ या ॥
॥ काठ रु प्रादि न रा इ नरवग्ध विद्या इ न ॥ ॥ द थ स ॥ काठ
रु मरा वा ज प्रादि न रा इ विद्या ग क व्म ॥ ॥ यन वा जा य नि द
न ॥ वा जा दि स र्व रु विष्णु स र्मा प्रादि न क ल याल स च न ल स क्रिय नि स
य म म ॥ ॥ प्रादि न न रा मि र्वा द वि य ॥ ॥ अ क ॥ ॥ वा ज नी ति

पु.दि.

गुह्यज्ञानवलपुल्लसथनोभक्तुनामदानयासनाज्ञाश्रयमाल
सदां॥हमहानाज्ञसत्यध्वजकुलपालसकर्मगणश्रयमाला
॥सत्यहृष्टनादिगविष्णुसर्माथुलिनामनसविष्ठाइन॥
पूनाहमहानाज्ञसत्यध्वजकवध्व॥ ॥विष्णुम॥ ॥मलिहका
टवानगुलादानयाययागसामागानलानकाशहिता॥ ॥काटहम
लिहकाशकवध्व॥ ॥थनकाटवाननसामाहयक॥ ॥काटहमलि
हकाश्वसामाकाशदिसन॥ ॥मलिहकाटवानविचक्रुषाकवध्व॥

श्री
श्री

पु.दि.

॥मलिहमहानाज्ञसामागयात्रहलाकाशविष्ठाइन॥ ॥नाज्ञा
हमलिहसुवद्विकवध्व॥ ॥थनलहमदहाकृष्णननसिंहजगम॥ ॥नागमालावा
सत्यध्वजकाकहादाअहयधनअहाजध्वनूकमनलहमन॥नयगिनहातस्वयाजहयधुन
मुषाथययध्वजगाल॥७३॥ ॥हहिलहमनननसिंहहहसत्यध्वजनागानडुलादानयायननमि
जितनाजायाभसजाननूया॥ ॥हदवकहहवध्वजाननूया॥ ॥हदवकधूरुहहनाननजाननूया॥
हलहमनननसिंहहहवध्वनूया॥ ॥हमहानागयोगीवोदस्यसि॥ ॥हदवकधूरुहहल
हमनननसिंहहहहलयासथनिसवेनवाजिगुणम॥ ॥पुरुगिनासजसविष्ठाइन॥हमहानाज्ञ
वध्व॥नाहृष्टनादिगुलादानयायमातकाविषियासविष्ठाइन॥पूहमहानागवध्व॥पूह
सुवद्विमकुकोठवानसामागयानयाहाहाहिता॥हृष्टनादिगवध्व॥सामाहय॥हनागपूना
हिगधसामाकाशविष्ठाइन॥पूहमकुनागवध्व॥पूहदवकधूरुदिलह॥हहहन॥पूना
हदवकधूरुहहनलाहारासगुलादानवियदकावाक्यागंकाजकाशमाल॥हनागपूनादिन
वध्व॥पूहमहानागपनविकहाजदानविसविष्ठाइन॥नागादेन॥हृष्टनादिगवध्व॥दानपूना

हिग

पूना अथ उलादानक दुष्टीसुखाय च ध्यानम् ॥ उला निवनं ॥ नागादयः ॥ सुकल्ययाया ॥
बूना अथ वेगमासं शुक्रं यकं अकं किरु नीयायाति ॥ ये नाहिनीनक्रुं वृद्धिशां यथायकनव
मरुतुके वृहस्पति वासनमेव नागागनं सुविरुनि वृषनामिगतं वलुमसि ॥ यमदीमहायवती वि
स्वामिउगाधुं श्रीश्रीसत्यधरं वन्मा सर्वकपातिद्वयेयाके स्वर्गलाकमदिनत्वानेकनसे
वैशोमत्यवदवीयाफि श्रीश्रीमहाविष्णुती कामं मां नोय उलां विष्णुदेवतां कां ध्वयगमगा
यगुलकमनममेल ॥ उला अथ उल्यमहं मं उदद ॥ ॥ लकल्लिकाजी अथ कनेन डोय तु
लादानं पुतिशार्प अमं सुवर्ग अग्निदेवतां कां ध्वयगमगाय श्री लकमनगमो वी उला अथ दकि
लं उल्यमहं मं उदद ॥ ल. स्वकि महान मकीन दामगया ॥ ॥ नागा मंगन ॥ ॥ ॥ सुविहस
लकमनमाले लया उलाथन रुजकनवेदया लयाज उदगतिमलिहने न उरु ले ताकन
वियजितनसन दहाडा ॥ लयजययकाशन जाले सासविवकने नागाकनदानयायमान
ववद्विजलनेन न सुवदत थन अने जयमरु अवेन स काले ॥ ॥ अग्नि ध्वयि ॥ ना रुडाजले
कलवातसवनतसजी प्रलम ॥ हमरुनाजसत्यवजकलयाले मनानथ वृक्षायमात ॥ ना
हवाप्रलशयानि अवस्थ विष्ठाइने ॥ उला अथ दामय जजरी वाथडा क्षपन विक दामय
ना रुद्र नाहि नथ सुवर्ग दकि लकास विष्ठाइने कलवातसवनतसजी प्रलम ॥ हमरुनाजस

शकलवातसमनानथ वृक्षायमात ॥ हमरुनाज वृक्षायमात ॥ रुनाज वृक्षायमात ॥ रुनाज वृक्षायमात ॥
हमरुनाज ॥ रुनाज वृक्षायमात ॥ रुनाज वृक्षायमात ॥ रुनाज वृक्षायमात ॥ रुनाज वृक्षायमात ॥

॥ लू ॥ ॥ किरिचलुवाजा सखवति यमवति नाभी कामसेनव
यसेन नाजकुमान निगि सागनमस्ति लिख्यदतकाटवान ॥
यवम ॥ ॥ नाग सारंग ॥ श्रीमान ॥ किरिचलु नयतिनयात
पनयम पत्रिजनसहितन यासहिदे रुम ॥ यनगायवलयूल
यननयनम रुजययवाद्यममननवभम ॥ झाककशी ज
ययनकाशनयम रुजददधुज कलमं रुडासुभम ॥ भय
किरि रुयिथसखवति यमवति कामसेनवीनसेन नाजकुमान

पु.दि.

निगिसागनमलि, लिखुकाटवान, पनखविविभामयाय॥
सर्व, हमहानाउ कि लिखनु, नरवभविभामयासविष्ठाइन॥
विभाम॥ ॥ कि लि, रुसत्यवति, वर्मवति नरादिलाक, जिनेख
नरखीझायदका॥ ॥ सर्व, हमहानाउ कि लिखनु, नराझादसवि
ष्ठाइन॥ ॥ कि लि, भूक॥ कि लिखनु नामवीन, कनवीनपूनीय
नि। नंगरुमीसनसर्न, येवमनडायाथनि॥ रुसत्यवति वर्मवति
नरादिलाक, यथिं कनगिनीन, कनवीनपूनयानाजा, कि लिख

पु.दि.

नुनामडी॥ ॥ सर्व, हमहानाउ कि लिखनु, कुलयालसन, सत्य
नराझादसविष्ठाक॥ ॥ सत्यव, रुपाधनाथ, जिनेख नरखीपिनगि
याय, मननसविष्ठायमाल॥ ॥ कि लि, रुपियानी, सत्यवति, क
नझाश॥ ॥ सत्यव, भूक॥ नाही सत्यवगी नामनयने नगिअउगि,
यादाजिं नंगरुमीसयवर्मरुषधंथनि॥ रुपाधनाथ यथिं कनगि
सूदनी कसयालसममका नाही सत्यवगी नामडी॥ ॥ कि लि, रु
पियानी, सत्यवगी, कनसत्यझाक॥ ॥ वर्म, रुपाधनाथ, जिनेख

नरहरी विनगी याय मन ग स द स विष्णु यमाल ॥ ॥ किहि, रु पि
 या नी धर्मवती, छन झाडा ॥ ॥ धर्म (धर्मक) ॥ धर्मवती नाम ना ही सु
 नदी हिं गु लं थला। पदमं नृत्य रुमी स या दा दिन न स ग स ॥ रु
 या सनाथ, थ थिद नरि सु नदी, छल पाल स म ग दा ना ही, धर्मवती
 नाम जी ॥ ॥ किहि, रु पि या नी धर्मवती छन सत्य न झाक ॥ ॥
 काम, रु प वाइ जिने र्व नरहरी विनगी याय द स विष्णु यमाल ॥ ॥
 किहि, रु प र काम स न छन झाडा ॥ ॥ काम (धर्मक) ॥ महावली काम

सन, नाम जी सु न न रु या। पदमं न स न या दा, नृत्य या रु व न थ नि ॥ रु
 प वाइ थ थिद नरि वी न, छल पाल स प र, काम स न नाम जी ॥ ॥ कि
 हि, रु प र काम स न, छन सत्य न झाक ॥ ॥ वी न स, रु प रु जिने र्व
 नरहरी विनगी याय द स विष्णु यमाल ॥ ॥ किहि, रु प र वी न स न,
 छन झाडा ॥ ॥ वी न स, (धर्मक) ॥ ॥ वी न स न महा वी न, नाम द गु
 ल रि थ ला। नृत्य या म छि र्व रु र्थ, पुं व म रु या व ली ॥ रु व रु थ थि
 न नरि वी न छल पाल स प र, वी न स न नाम जी ॥ ॥ कि हि,

७.दि.

हय उदीनसनन सत्यन झाक ॥ ॥ नीति सागन हम ह
नाउ किलि वलु डिने रव नरु विनगी याय दस विद्या इने ॥
॥ किलि हम लि नीति सागन न झाउ ॥ ॥ नीति सा (भाक
॥ ॥ नीति सागन नाम द, मनु नारव सया न नी। महारु र्व यन
वर्ग, नंगरु मी स जीइ या ॥ हम ह नाउ किलि वलु थ थिद नरु
वृद्धि मनु कुल पाल स मलि, नीति सागन नाम दी ॥ ॥ किलि
हम लि नीति सागन न एक झाक ॥ ॥ निप्रखु हम ह

७.दि.

नाउ किलि वलु डिने थअ महि मा झा य दस विद्या इने ॥ ॥
किलि हम कोट वाव निप्रखु न न झाउ ॥ ॥ निप्रखु (भा
क ॥ ॥ कोट वाव मरु रव निप्रखु न नाम जी। वल लाक न न
रु मि। या नरु नि स थ नि ॥ हम ह नाउ किलि वलु थ थिद नरु
वल लाक कुल पाल स कोट वाव निप्रखु नाम दी ॥ ॥ किलि
ह कोट वाव निप्रखु न न ख अ र थ झाक ॥ ॥ किलि हम सत्य
वगी य म वगी पूर काम स न वीन सन, नीति सागन म लि नि

प्रखलुनकाटवान्, नराजमिमिस, कनवीनयनीस जान नूया ॥
॥ सर्व, रुमरुनाउ कि लि वलु, कवम्भ विद्या दून ॥ ॥ कि
लि वलुनाउादि, थ अन गनीर्ज निस्सा न, भ ॥ ॥ ना ग दम्भ
ख ॥ था ॥ कनवीनयन थ नि, अन नून नान, द्विज य नि य नि
पाल याय विस्दान ॥ उय यन का भ न, क्काल दय मान, नीति
न थ रुल प म न भ उ मान ॥ भ य ॥ ॥ पुर्व रुसा, द
प्या गुलि ॥ ॥ द्विर् ॥ सर्व, रुमरुनाउ कि लि वलु, न नान

विद्या दून ॥ ॥ कि लि, रुसल्यवगी, वर्मवगी प्रु कामस
न, वीन सन, नीति सागन मलि, निप्र खलुकाटवान्, कवम्भ
जान नूया ॥ ॥ लू ॥ ॥ य न ख क दसा दि अ अ रु थ
भ ॥ ॥ पुर्व, द्विर्, रुसा क्का या या गु लि ॥ ॥ द थ रु
रु प द्वावगी, नलोवगी, नरादि लाक य नि, मि मि स, थ अन ग
नीस (थ ना, नरा अ थ न ख वि, नान नदन विष्णु म या दा अ था
न ॥ ॥ सर्व, रुमरुनाउ, कवम्भ विद्या मया स विद्या दून ॥ ॥

प्र.दि.

विष्णुम ॥ ॥ नरायणिभ ॥ नागमात्रधनाधी ॥ श्री ॥ यशुयनि
 उक्कश्वनीपीनिन नरायणि याय ॥ ५५ ॥ नरनिनकयनिमनिन
 यवमिमइ जिनि थनजिन मरुगति लाय मननयवमडागि
 स्वरूपमसिभ नरनि लोरुनरुयाधनलाय ॥ ५६ ॥ थमस्यसनि
 नगति विअजिनरिठगति छिरगति मरुडिनयाय कनूत्तद
 यकिरगि रूत किअइ वमनि जयपनकाभनझाय ॥ यशुयनि ॥ ५७ ॥
 ॥ भय ॥ ॥ नूतिवीनचजायाख्याननाठकी यथभांक ॥ ॥

नाम १

दि.दि.

१

नरपद्वितीयदिवस ॥ ॥ सूर्यभ ॥ नागर्त्तव ॥ श्री ॥ यथमस
 रुजनयाय सिद्धिग ॥ ५८ ॥ यनकावडसनिन विघनयायि अकलया
 ल ॥ नरपुत्रवअसक्रस वीजानानरुदय मिलसमदुक थिक क
 रुस सिधल ॥ जयमाल ॥ ५९ ॥ यनभुभाउक आदगल मुखक गस
 सनरनिन नसिकल ॥ झाकक्रदयालछिमियनि जययकाममल
 असयात्रिसरुजनयानरुयिअ कावडभुरुरुस ॥ ५६ ॥ ॥ भय
 ॥ ॥ थनकन्दकलावाधी चिरुनखा नलनखासखि यवभा ॥

६६
२

म ॥ नागदयगन्धर्व ॥ श्री ॥ पवनदमनंगसूथीनत्रपजीउचयमि
जीनथयात्रसखीमालारखालमसिया ॥ सनसनडायाडा रात्रीगुह
जीपनकाभयायचयात्र सखिनाना नागमसिया ॥ जयपवनकाभ
नझालनमही भवमडझालथयात्र सखिवाहीवानथसिया ॥
मपूर ॥ ॥ वल्लुहचिउत्रखात्रलत्रखासखिधनखचिवि
मयादाडावान ॥ ॥ चिउत्रलहथकुनीवल्लुकला नरवम्यवि
मयासविआइन ॥ ॥ विशम ॥ ॥ वल्लुहसखिचिउत्र

६६
३

खात्रलत्रखात्रिनखंरह्नीझायदडा ॥ ॥ चिउत्रलहथकुनी
वल्लुकला नरवम्यनराह्लादसविआइन ॥ ॥ वल्लुहमक ॥ वल्लुकला
नाऊयगिसुन्दनीनगीडाउगिपवनमनंगरमीसइयाडीउमहिथला
हसखिचिउत्रखात्रलत्रखाथथिकरगिसुन्दनीवमदलनाडायाक
न्यावल्लुकलानामजी ॥ ॥ चिउत्रलहथकुनीवल्लुकलाकलपालुस
नयकनराह्लादसविआक ॥ ॥ चिउत्रहथकुनीवल्लुकलात्रिनंर
ह्नीविनगियायदसविआइन ॥ ॥ वल्लुहसखिचिउत्रखाक

न जाउ ॥ ॥ चिउ (भूक) ॥ चिउ न खा चिउ कर्म सयाही नाम देहा
 खी ॥ इया य वं भव सनं नं ग रमी स रिं मणि ॥ रु थ कु नी व लु कला थ
 थिद न न क कर्म या य स अ क ल पा ल स म र्ग का स खि चिउ न खा न
 म जी ॥ ॥ व लु रु स खि चिउ न खा क न ख अ थ क्का क ॥ ॥
 न ले रु थ कु नी व लु कला डि न खं न ल्ही पि न गि या य द स वि द्या इ
 न ॥ ॥ व लु रु स खि न ले न खा क न जा उ ॥ ॥ न ले (भूक) ॥
 न ले न खा नाम स खी खान डी व लु अ उ ती ॥ इ या न ट न या क स

य वं भव सनं थ नि ॥ रु थ कु नी व लु कला थ थिद न न क कर्म या
 य स अ क ल पा ल स म र्ग का स खी न ले न खा नाम जी ॥ ॥ व लु
 रु स खि न ले न खा क न ख अ थ क्का क ॥ ॥ व लु रु चिउ न खा
 न ले न खा नो अ मि मि स य इ मा इ या था स अ न नू या ॥ ॥
 चिउ न ले रु थ कु नी व लु कला न व व थ वि द्या इ न ॥ ॥ थ
 न व लु कला पि थ अ क्का अ नि स्या ल भ ॥ ॥ न ग का ला
 य ॥ व ॥ नू या स खि अ न क स न स न द दा अ न सि क न स

ॐ. ५.
५

सहिष्णु न सया खं झाडा ॥ सखि पती ॥ दया लक्ष्मि मिया पति, अय
य का मं झाक, मि सा जन मूढ था स रु प न म या क ॥ ३३ ॥ भू ३ ॥
य कं ला मो उं ॥ ॥ विगु न त रु थ कु नी व लु क ला, न ना न वि
द्या हु न ॥ ॥ व लु, रु स खि विगु न खा न त न र खा न र व थ अ न
नू था ॥ ॥ लू १ ॥ थ न व क्क द ला दि प ति क यं ड ॥ ॥ व क्क रु
प द्रा व नी, न लो व नी न रा दि ला क प नि न रा थ न ख वि न रा न न द न वि
श म या दा अ थो न ॥ ॥ स व, रु म हा ना ड न र व थ वि श म या स

ॐ. ५.
७

विद्या हु न ॥ ॥ वि श म ॥ ॥ व क्क, रु सु नी नि म लि, वी प व लु का
ट वा न, रु प नि ना श च र्चा या न हु नि ॥ ॥ म लि, का ट, रु म हा ना
ड, ल ल पा ल स न रा हा, जि य नि अ न, ल ल पा ल स, व न म स डि य ला
म ॥ ॥ म लि, रु का ट वा न, मि मि स न ना श च र्चा या न अ न नू था
॥ ॥ का ट, रु म लि ला रु, द जि अ जा स न ॥ ॥ थ न म लि, का ट वा न
अं गि यं पि ॥ ॥ स खि द न ॥ स खी रु म हा ना सी जि न ग्ग ल ग्ग य का
ल अ न ॥ ॥ य द्रा न ला, रु स खी रं ज ना, न र व थ हु नि ॥ ॥ थ न स खी स

यनं इहाय ॥ ॥ वक्रदं रुपा वयि यानी, यद्भावती वत्ता वनी, द्यपनि नि
 क्रसत्रय सोन्दर्य खदा उ। डि मन नरति वं वल इल डि न खं नरत्ति
 द्वाय द्वा ॥ ॥ यद्वा नत्ता रुपा मनाथ डिपनि छलया लस नरथी न
 थका ॥ ॥ वक्र दारा ॥ पद्मी सचन्द्रमा अङ्गाल खाल सन्द वखदा
 नशला डि विरुवं वल वकाल पक्रि अखलान। नगीन माने अलगा
 अया अरा अ, छेन नान नगीन सै छनी विअ, स्वया असन्दवी निदान
 ॥ ॥ धनवक्रदरु नाङ्गा किं शृंगाय ॥ ॥ नागकदला ॥ य ॥ द्वा

जियवन छन नरा असुन्दरी ॥ ३३ ॥ छपनिस नृपस्य स काममि नरि
नक्षत्र मजिल सदरु लपता अनतिन स छमि विम मसु रुन दित
स्वस नसिकन नसक दरा ॥ दयाल छिमिया यति नसिकस काम उति
उय पन काम न झाल गुमान मरि दुधन धा उय रु स न सन समय सय
मया यमाल ॥ ॥ म प ४ ॥ ॥ ७ ॥ रुपा स यिया नी प प्रा व नी न ला व
नी छपनि नि सस नसिक रा उ ख दा उ जि मन स सं सु रु रु ला ॥
प प्रा न ला रुपा स ना थ न म थ न रा ला द स वि श्या य म माल जिय नि

सविनमिदसुविश्रुतं ॥ ॥ यद्वाहपद्यावती तत्तावती नवयम् ॥
 ॥ पद्या तत्तादाहा ॥ यद्वाहिका मदव असमान नयनं सयान नया
 नज्ञान हीन जी मिसा मलाकनं कलाना गदा अवाह स्थान सं छतिन
 संमद सियान क्रमाद स स्वस थर्म मलाकनं छगान ॥ ॥ यनपद्या
 यती तत्तावती लुकि ग्टं मय ॥ ॥ नाग मावधनाथी ॥ था ॥ ददुम
 यिनमि यरु मननयमाल ॥ ॥ ॥ नयन कामेडति नसिकसमद
 छिति नयमरु डिमिस्तन मान गिनिया नयनमगि रुयस इविक

६. ६

१०

नमि अदवयसस नरगयान ॥ दयाल छिमियायगि नसिकस
 दनडगि श्री जययकाशन झाल मइसि सयगिरुति नयममरुथ
 नमि यरु क्रन क्रमलयमाल ॥ ॥ भय ॥ ॥ पद्या तत्ताह
 शासनाथ डिपनिर्सेन नसिकरा अगय मरु क्रमाद स विश्रायमाल ॥
 ॥ यद्वाहपद्यावती डिमनस कान नदइला का अथनख विवि
 अमयाय ॥ ॥ यद्वाहपद्यावती नवयम् विश्रामया स विश्रा
 दून ॥ ॥ विश्राम ॥ ॥ यनसखी गयनं यिडाय ॥ ॥ सखी रुम

६. ६

११

हि.दि.
१२

हानाती, गल गय का स विष्णु इने ॥ ॥ य प्रा न ता, रु स खी नं जना
नर वम्य, थन अया अया दा ॥ ॥ थन सखी विष्णु म ॥ ॥ थन मलि
काट वान, अज इ नि पं ॥ ॥ य कं ॥ मलि, रु काट वान, ना अ व र्वा
या दा अ अ य य ना, म हा ना जा या थ स अ न न या ॥ ॥ काट, रु म लि
रा रु द डि अ र वे मा स न ॥ ॥ द्वि क ॥ काट, रु म लि रा रु ने ना न
मा स न ॥ ॥ म लि, रु काट वान नर वम्य अ न न या ॥ ॥ द थ स ॥ ॥
म लि, काट, रु म हा ना ज, म हा ना ती, रु ल थाल स व न न स डि य म

हि.दि.
१२

मा ॥ ॥ म लु डि य नि स न, ना अ व र्वा या दा अ अ य य ना ॥ ॥ व क
रु म लि काट वान, थन अया अया दा ॥ ॥ म लि काट, रु म हा ना ज
द डि अ ॥ ॥ म लि काट, विष्णु म ॥ ॥ थन व लु क ला दि अ अ क थ
म ॥ ॥ य क म रा सा, द्वि क म रा सा द्वा पा या रु लि ॥ ॥ द थ स, य
लु क ला दि, रु व क मा रु, रु ल थाल स व न न स डि य नि स य म म ॥ ॥
ना जा ना ती, रु प रि व लु क ला, थन इ हा अ या अ या दा ॥ ॥ व लु क ला
रु व क मा रु नर वम्य ॥ ॥ थन व लु क ला दि विष्णु म ॥ ॥ व क, रु का

दि.
१५

छोयनापि॥हमहानाडवक्रदहृच्छलपालसुनरनकमेगवह
यमाल॥॥वक्रहृनात्रदमनीयवपवर्गमनीयवथरुलिना
सनसविशमयासेविश्राइन॥॥नात्रपवहमहानाडनरवम्भ
॥नात्रदादिच्छरिसविश्राम॥॥वक्रहृकाटवात्रदवपूजा
यासामानयालयादाडाहिउ॥॥काटहमहानाडदकिशकि
ननयालयादाडाहय॥॥यनकाटवाननसामाहयक॥॥
काटहमहानाडदवपूजायासामानयालहलाकासेविश्राइ

दि.
१७

न॥॥वक्रहृकाटवात्रनरवम्भ॥॥वक्रहृपद्मावतीनलाव
गीनरादिलोकपनिनराडामहाविष्णुयापूजायायनया॥॥स
वहमहानाडनरवम्भपूजायासेविश्राइन॥॥यनवक्रदह
दिनविष्णुपूजायायभ॥॥नागलोपि॥वा॥ऊयऊयहवि
छिनयाडोपगियालननाथजिपनिखंसदयादयमाल॥क्रम
दिनीसूगऊययकारनकालहललपिरुगगयाहवहयजाल
॥॥मय७॥हो॥नानायसिद्धिपानिसयादायमरुकि

हिदि
१८

नं दयादमृदियनीसं उद्गा लया इनं छिनं ॥ रुमहाविष्णु क्लृपाल
यावनसमृदियनिसं काटि २ साष्टांगयन्मम ॥ ॥ वक्रं हयप्रा
वनी नलावेगी, त्रादिना कपनि, त्राडा त्रानन्दन, धनख विविधाम
यायन्या ॥ ॥ सर्वं रुमहा नाड नवम्यविशामयासं विश्वा इनं ॥ ॥
विशाम ॥ ॥ धनचन्द्रकलाददाश, नाजायाकक्षय ॥ ॥ हवकु
माइ, डिनेमहाविष्णुयाक कीर्तनयाय ॥ ॥ वक्र, हय रिचन्द्रक
ला, नवम्य छनकीर्तनेयाडा ॥ ॥ चन्द्र, हसखीचिनुनखो, नलन

हिदि
१९

खा, नराश मिमिसन पनमम्यनयाक कीर्तनयाय ॥ ॥ सखी, ह
थकुलीचन्द्रकला, नवम्य कीर्तनयासं विश्वा इनं ॥ ॥ धनचन्द्रकला
दिन, कीर्तनयाय ॥ ॥ नाग ॥ ॥ मायवया इन उद्गा नक
नृक्षगयाडा ॥ ॥ वक्र ॥ ॥ डादाशमवपुनी, डाङ्कनगिसून्दरी, छिनया
गकुपडाखडाडा ॥ ॥ गहयांरयनेहेनि नामकासं वीरक विधनह
नमोलनयकाडा ॥ ॥ कुम्दिनिगनयस, दिगपुग (थरु) उस, जयय
नकाग स त्राडा, विनेगियावयनस, मनमिडा रुगनस, मभानय

हि. १५
२०

पूजयाडा ॥ ॥ भय ॥ ॥ छाय द्वापायाउलि ॥ ॥ वल
रुवइ माइ, पनभयनयो कीरुनयायवना ॥ ॥ वक्र, रुवइ कला
छनभी महाविष्णुयाक, सनसन कीरुनयाक, वन्य २ नराडामनीय
नपनि, ॐ छारुउनयाग किडा ॥ ॥ वल, रुवइ, नवय्य दिनल
हियाडा, वा क्रवयनि, रुउनयागके ॥ ॥ वक्र, रुमेलिसुनिमि सा
मानयालयादाडा, वा क्रवयनि, रुउनयाग किडा ॥ ॥ मलि, रुम
हानाउ, नवय्य ॥ ॥ थनमलि, काटवानन, वलकलान, सामान

हि. १५
२१

यालयादाडा, वा क्रवयनि, रुउनकयागसन ॥ ॥ मलि, रुनानद
मनीयन, पर्वगमनीयन, रुउनयायग, गयालरुस विष्णुइर्न ॥ ॥
मनी २, रुसुनिमिमलि, नवय्य ॥ ॥ थननानद, पर्वग, दडाडाउनि
सियराउ, गिर्य, रुसनसुविअमयाय ॥ ॥ थनमलिन, वलक
लान, लहिडाडा, वक्ररुउनक गिर्य ॥ ॥ थननानद, पर्वगनन
सगाडा, रुमिर्वादविय ॥ ॥ मनी, रुमहानाउ, छलयालसम
नानथ, पृथुहयमाल ॥ ॥ वक्रदलादिदन, सर्व, रुनानदमनिभ्य

हि. १५

२२

न. यवर्गमनीयव. छलपालसचनस. डियनिसयक्षम ॥ ॥ व.
क्र. रुनानदमनीयव. यवर्गमनीयव. क्राजकानन्दन. क्रासनसवि
क्षमयासविष्काशन ॥ ॥ नान. यव. रुमहानाड. त्रवम्भ ॥ ॥ यन
सर्वविशम ॥ ॥ नान. य. यननानददकाशकाहाय ॥ ॥ नान. ग
नविद्यासनिपुन. क्रगिसून्दनी धवदकला खकाशकिमनभाहृशना. क्रा
आजिन. ह्रियाकाशजनवक. नाजायार्क. केन्याशन ॥ ॥ नान. रुम
हानाड ॥ ॥ नाजादनकाहाय ॥ ॥ नान. रुमहानाड. जिनविवाहय

हि. १५

२३

यवकलालपा. ध. छलपालयार्कन्या. लदकला जिगविहविष्कायम
रा ॥ ॥ व. क्र. रुनानदमनीयव. ध. केन्या. छलपालस. वियरुत्सादि
राग्य. त्रवम्भनविशना ॥ ॥ नान. रुमहानाड. छलपालसदया
॥ ॥ यननानद. नाजाविशम ॥ ॥ यनयवर्गमषीदनकाहाय ॥
॥ अषी. गनविद्यासनिपुन. क्रगिसून्दनी धवदकला खकाश
जिमनभाहृशना. क्राआजिन. ह्रियाकाशजनवक. नाजायार्क. के
न्याशन्या ॥ ॥ यव. रुमहानाड ॥ ॥ नाजादनकाहाय ॥ ॥ यव

दि. ५
२४

रुमहाना जजिन विवाह याय वक रातया, थ छलया लस के न्या व
लुकला, जिग विभ विष्णय मा ल ॥ ॥ य प्र, रुय ध्वन मनी ग्वन थ
के न्या छल पा लस वि य रुग सा डि रा ग्व, न व ग्वन वि य इ ला ॥ ॥
पर्व, रुमहाना ज, छल पा लस कया ॥ ॥ यन ना ज, य ध्वन विष्ण म ॥
॥ यन वलुकला दन दहाय ॥ ॥ वलु, थ नि जि व दून विवा ल मया
स, मनी ग्वन नि क्र स न डि रा द थ स, के न्या डि छ द्वा द न, नि क्र स वि
य व क व च न विल, रा ज न र्थ इ ला, जि ज न्म य र्थ इ यि ना, थ उ लि

दि. ५
२५

ख जिन, मा इ या के विन गी याय ॥ ॥ वलु, रु मा इ ॥ ॥ वलुकला
न, मा म स च ग हा, ना हा ग जा दा डा दहाय ॥ ॥ वलु, रु मा इ डि
न र्वे छ रु मि विन गी याय द स विष्ण दून ॥ ॥ य प्र, रु य रि व
लुकला छन द्वा डा ॥ ॥ यन वलु ला कि द धु म ॥ ॥ ना ग ना
ज वि जय ॥ ल क गालि वा था ॥ डि वा ल क व ल स, रु स रु न इ ख जा
डा डि, मा इ छल पा ल स न, डा स, व वा इ या के थ र्वे द्वा डा, मा इ
डि इ र्वे ॥ न ग न स म द्वा, थ, र्वे या ग ल रु द्वा डा, मा इ डि इ र्वे,

हिंदि

२६

नस नस सीय मन माहन जग नया अऊ माह जिइ खं ॥ ॥ भय
६ ॥ ॥ कल कलाया भलासा ॥ ॥ वल रु माह छलया लस
कन्या जिछ क्रंदन आथवा क्रम नि क्रसन रुंद थासु जिव वाइन
नि क्ररु यियवक ववन बिल थुलि काय गथे याय गन थ
थवा क्रम या कडा जी अन मरु निश्चये नै नसन या अ जिन थ
या म हा गयाया ॥ ॥ पप्रा रु प्रि वल कला जिन रवं छ रु निहा
य द द ॥ ॥ वल रु माह छलया लसन राहा द स विअ इन ॥

हिंदि

२७

॥ थन पप्रा वल कि दलुक ॥ ॥ नाग नाह विअया लं ॥ डि
ववन द इन थ कली मनस विकल छयथनी ॥ वस यया य छन
ववाह नी विन गि रवं दाय जिन रुनी ॥ झाक क्र उन नी क मुदिनी
मना नथ पुन रु रुनी ॥ रु वल कला ॥ ॥ ॥ भय ॥ ॥ पप्रा व
नीया भलासा ॥ ॥ पप्रा रु प्रि वल कला स्वयं वन या गक वक
छन ववाह जिन वस यया गक थ रवं स छन रं या काय म माला ॥
वल रु माह स्वयं वन या गक वक जिव वाह वस यया गक स वि

हि.प्र.
२८

आइने, नराजि उमानसु जहा उअय ॥ ॥ यप्रा, हृषि वल
कला इनि ॥ ॥ चल, हृषि वखा, नल वखा ॥ ॥ थन सखी नि
क्रदका उहा उअय, यप्रा वगी ना सी विअम ॥ ॥ चल, हृषि व
वखा, नल वखा, सखी यनि, नराजि मि मि स उ य वन अन नया ॥
॥ विउ, नल, हृथ कुनी चल कला, न वग्ध विआइने ॥ ॥ थ
न चल कला दि उ य वन उअ, न दाल नि यं यि ॥ ॥ यकुं रा सा उ
॥ ॥ दि कुं, हृथ कुनी चल कला, न नान विआइने ॥ ॥ चल, हृ

हि.प्र.
२९

विउ वखा, नल वखा, न वग्ध अन नया ॥ ॥ थन यप्रा वगी ना सी
दका उहा उअय ॥ ॥ यप्रा वगी, दि कुं न्या द्ध कु मनी श्वन नि द्ध
सन, रुद थ स, नि द्ध कुं, थम विवाल मया सी, सा सा इया श, वि
य थ क, डि स्वा मी न व वन पिल, थन न न थ इ यि उ, डि न स्वा मी
व सा य या ग के ॥ ॥ यप्रा, हृषा द ना थ ॥ ॥ थन ना ज द न द
होय ॥ ॥ यप्रा, हृषा द ना थ, ना न द मनी श्वन या ग, के न्या वि य
थ क, व वन विल, प व ग मनी श्वन या ग, के न्या वि य थ क व वन वि

सविष्णुः स्वकार्यगत्य यास विष्णुयगदा ॥ ॥ यद्वा रुपा
 दपियानी, जिनविचालमयास निष्कसर्नरुदधस, नादुनम
 नीम्वनयार्ग, पर्वगमनीम्वनयार्ग, विंयधकधयाखज, नरनथइयि
 ज, नराजमनीम्वनयनी, गत्यवृषययागक, जिनसंमतवियमाल ॥
 ॥ यद्वा, रुपावनाथ, स्वयंवनमयागकलसा, कंन्यावलुकलान
 विषनयाज, यावत्यागयायधक, निम्वययादाजोवाभा, नराजक
 न्यामानयमइज, स्वयंवनयागकगदा, मनीम्वनयनि, स्वयंवनस

विष्णुइनेधक, वृषययागकाज, नानद, पर्वगमनीम्वनयनिरुः
 विदावियाज, इहसविष्णुइने, छलयालस, यडाधर्मनरुय
 इयिज ॥ ॥ यद्वा, रुपावपियानी, पद्मावगी, छनखजगुलिस
 मगविल, मनीम्वनयनिरु, विदावियाज, इहय ॥ ॥ यननान
 द, पर्वगमनी, सलन ॥ ॥ यनमृनिनिष्कददाज, इहय ॥ ॥
 यद्वा, रुनानद, मनीम्वन, पर्वगमनीम्वन, जिनधनसाइमिम
 यास, छलयालपनिनिष्क, कंन्यावियधकववनविया, छद्वा

हि. ३२

कन्या निष्कल वियमजिडा, कन्या मानयमइडा, स्वयं वनयाग
कागदा स्वयं वनसकल पालयनि, निष्कविष्कादने, कन्याया ह् सुइडां प्र
वनयया जिडा जिदा दधमसकमायासविष्कायमानसह मुविनति॥ ५
ना, य, हेमहानाजुप्रदह कन्यामानयमइलनाडा कलयाससुनध
जववनरयूजध कसंकाचममाल, स्वयम्वसइयूजधमसजियनिनि
प्रडाच, त्राडाजियनिथडा त्रागुमसडा दाडावान ॥ ॥७॥ हेनानदम
नाइवनयवैनमनीववन त्रुव विष्कादने जियनीसपुलामा ॥ ॥

हि. ३३

पननाजादिविष्माम ॥ ॥ ना, इयवैनमनीववन त्राडावेकू लसडा दा
डाहीमहाविष्कुदडनियानजनेनूया ॥ ॥ य, हेनानदमनीववनत्रुव
विष्कादने ॥ ॥ पननातदादिजडनिसमान ॥ ॥ नागवेनानि ॥ ॥
मनसत्रगीहनषदने, असकू प्रसानषन, डाडाडाहनिशदनडानया
य, वेकू लपनीससुषदने, रुया लम कत्रनमदने, निलमलनेत्रम
दपाय ॥ ॥ जनेनूयायेनवनलकिमिसहिनेविष्काकधमसइविस्व
विनतिस्व जाय ॥ ॥ ॥ ॥ कूमदिनीदेवीसुन, वनमकनमसनेने

हिंदी

30

नृपति जय उ काशन ह्याय लम क्र क्र सं के कृपा दन जा क्र क्र जन
 नन धम रुगति न जा सवे हा या य ॥ ॥ मेयू ॥ ॥ उ कू लासा उ
 ॥ द्वि ॥ ॥ प ॥ हे ना न द मू नी ध्य न न नान विष्का दने ॥ ॥ सा हे य ध
 न मू नी ध्य न नू व ध्य उ न नू या ॥ ॥ उ ॥ हे य धा व नी न ला व नी नू
 दि लोक राजा पि मि स स हा म् हे स उ न नू या ॥ ॥ सर्व ॥ हे म हा ना
 ज नू व ध्य विष्का दने ॥ ॥ उ क्र द को दि स हा म् हे उ न निर्य पि ॥ ॥
 उ कू लासा उ ॥ द्वि ॥ ॥ सर्व ॥ हे म हा ना जन नान विष्का दने ॥ ॥ उ

हिंदी

31

हे य धा व नी न ला व नी नू दि लोक प नि नू व ध्य उ न नू या ॥ ॥
 ल ज ॥ ॥ प न स ल ध जा दि य नि ड ॥ ॥ स ल ॥ हे गी ले व नी नू य
 व नी नू दि लोक राजा न न द न थ न चाने ॥ ॥ सर्व ॥ हे म हा ना ज नू
 व ध्य विष्का दने ॥ ॥ नू य व नी ना नी द हा उ कू हा य स वि स त गु
 नू य ॥ हे वि वि न स म नी जि न नी ल स उ सा स म दू दि दि वान के ल
 हा य या न म हा ना ग या के वि न नी या उ ॥ ॥ स ल ॥ हे म हा ना नी
 नू व ध्य जि न वि न नी या य ॥ ॥ ना नी का थ स दे हा य ॥ ॥ स ल ॥

दिदि
३६

होहनाजमहानापीउसासमगाउदिदिवाकलकुसविम
ना ॥ ना ॥ हसखीनूवधजिनवानकलकाय ॥ ॥ सखीनूवा
याथसपन ॥ ॥ ना ॥ हकाटवानकूनननानदिदिवाकाडाहिज
॥ ॥ काटहमहानाजत्रवधजिनवाकाडाहय ॥ ॥ अजमहा
नाजयात्राकाथदिदिवाकनीजने ॥ ॥ काटवानदिदिवाजनीय
॥ ॥ काटवानदिदिवाजमे ॥ ॥ नागकाणाडा ॥ न ॥ नाअदिदिज
सुमनजिथीत्रजी ॥ अहाउयकासयाकाजिनजी ॥ नामसुम

दिदि
३७

नत्रजी ॥ ॥ अगतसनामददसुमनत्रजी ॥ ॥ योयकांदनासउतस
लजिनजजिअयउकाडीनकालदिदिसकुस्वागि ॥ ॥ म
॥ ॥ का ॥ हसुमनदिदित्रजीमहानाजयात्राकाननानेजनेनू
या ॥ ॥ दिदि ॥ हकाटवानलहदजिअखसासन ॥ ॥ दिदिदिह
काटवानलहननानेजासन ॥ ॥ का ॥ हदिदित्रजीत्रवधनूया ॥
दयस ॥ ॥ अया ॥ हमहानाजदिदिसुमनत्रजीवाकाडाहयधूना ॥ ॥
दिदि ॥ हमहानाजमहानापीमलीलहसवांताय ॥ ॥ नागा

हिदि

३८

दोदि सुमन नू नू नी स ज दा ज ख ज ॥ ॥ ह म हा ना ज नू व ध्र जि
नू नू य ॥ ॥ दिदि ना ली यो प स द हा ज ने ॥ ॥ नू नू यो ज यि हा ज यो ज न
जा या के धा य ॥ ॥ दिदि ह म हा ना ज ज सिरा ह वा दा ज ध लि न य
क स वि धा दू न ॥ ॥ ना ॥ ह दिदि सुमन नू व ध्र वा न क ल ध्र य ॥ ॥
दिदि इ हा य ॥ ॥ ना ज ॥ ह कोट वा न च क ना ज ज सिरा ह लि न य माले ध क न न
न वा दा ज ह य माल ॥ ॥ कोट ॥ ह म हा ना ज नू व ध्र जि न वा दा ज ह य ॥ ॥
का ॥ ज ज जि न ज सिरा ह न नान वा दा ज ह य ॥ ॥ ज सिरा ज द ती य दू ती य

हिदि

३९

जा ज ॥ ॥ यु कू ॥ ह च क ना ज ज सिरा ह ध लि न माले ध क म हा ना ज ज
हान नान ज सने ॥ ॥ ज सिरा ज ज ती य ॥ ॥ यु कू ॥ ज ज ज सिरा ध ज म
हा ना ज ज ज सिरा ध क कोट वा न न स ल न ज जि न नान ज न ॥ ॥ दि ॥ का
ह ज सिरा ह म हा ना ज ज ज सिरा ध य नू ना ला मा स न नू यो ॥ ॥ ज ॥ ह कोट वा
न नू व ध्र नू यो ॥ ॥ द थू स ॥ ॥ का ॥ ह म हा ना ज नू व क ना ज ज सिरा ह म य
क धू ना ॥ ॥ ना ज ॥ ह कोट वा न दू न वा दा ज हि ज ॥ ॥ ज ॥ ह म हा ना ज
म हा ना ली स वा वू ना य ॥ ॥ ना ॥ ह च क ना ज ज सिरा ध न इ हा ज यो ज न नू वि

सिद्धि
४०

चालया दाडा वादा ॥ ॥ जा ॥ महानाज नूवड्य नूवा ॥ थयाय मखा ॥ ॥
द्वेसजा सिन घालि नयाडा वादा ॥ ॥ थनदिदिया खाल मालका ॥ ॥
आच सलने ॥ ॥ मवावडी म ॥ नाग मंगन ॥ ॥ नूवमि स नूवन नूव
निरि द दीन ॥ मतिन ज नूवन मराडा थहीन ॥ जयण काहीने काल
इयिडा पुवीन ॥ गुरुय निद काहि द थ स वा व गीन ॥ ॥ मव ॥ ॥ थनदि
दिन नाजाया के काय वू नाथ क कने ॥ ॥ दिदि ॥ ह महानाज मा ह व रा रा
ग रा ना नग्न वि चाल या दा डा जा न के वा न के से वि का कने ॥ ॥ नाजा

सिद्धि
४१

ह दिदि समन नूजि धन ला ग्य जि नूवड्य जा न के वा न के थर्थ ॥ ॥
नाजा ॥ ह व क नाज जी नि की सा ह व रा रा जा न रा नी नग्न वि चाल या दा
डा जा न के वा या डा हि डा न ना ने ॥ ॥ जा ॥ ह महानाज नूवड्य जि न वि
चाल या दा डा जा न के वा या डा ह य थर्थ ॥ ॥ थन जा सिन जा न के वा य रा
डा जा न के वा न नाजा या थ स ज कने ॥ ॥ जा सि ॥ ह महानाज ॥ ॥
नाज दने ॥ ॥ जा ॥ ह महानाज जा न के वा या डा ह य धू ना द से वि
का कने ॥ ॥ ना ॥ ह व क नाज जी नि की कू न वा दा डा क द जि न दने ॥

नूवड्य

थनशासिनयालवाजकन ॥ स्वस्तिहीनेपालसम्बन्ध ८१२ वेधम
 समामेसूकपकृषं चम्या नीलो घटि ३ विघटि ४ पूर्वहोत्रु दीनक
 उघटिविघटि ६ मरुतया ७ घटिविघटि ८ हनिवासले गजागवला
 कूलन वीनैके लज्जमीननवांस के द्विगीयडुका ९ अस्यां वैलायां
 नाजकून यूगुगी १ सत्यधर्ममहानाज कस्य द्विगीयरायायां २ प्रथमपूजाजा
 न ४ शुद्धदीर्घमायूनमुता ॥ जा ॥ हमहानाज चकलयालसयूगली
 दवलाहीजागरुजा ॥ श्रीगीवीनगुदीमहापुगापिरायिजा निदानसरु
 १ थरुलिवलासं पूजाखानसासविष्ठाइन ॥ २

इथनमाजा अतिउकाश
 माकाया खानसासलाजी ॥

तिकलैखुजाका कसविष्ठायमालिजा संदरु मूमाल थगतककुसे
 विष्ठाइन ॥ ना ॥ हवकनाजजातिकी अरुवध्वथदकि मकाडो ॥ ॥
 जा ॥ हमहानाज अरुवध्वकलयालसकया ॥ ॥ जासिद्धविसविष्ठा ॥ ॥
 थनदिदिन ॥ कसथनलाजा ॥ ॥ नाजा ॥ हकाटवानमवावृडा वनकयान
 नउसननाडाहिजा ॥ ॥ का ॥ हमहानाज अरुवध्वजिजा ॥ ॥ ॥ अजजि
 ननउसलनलजा ॥ ॥ काटवाननजजकूनसलउ ॥ ॥ का ॥ हवि
 कटसिद्धनउसानायकननानैचुपनजायमाल ॥ ॥ काटविष्ठा ॥ ॥

हि. ४४

थन न उडा डी ये मल ॥ ॥ नाग श्रासावनि ॥ ५ ॥ न उया नाय क वि कट सि द
ध क ज ग म म सि ज स नान ॥ कायाय जी थ क नय म स द्वा पाला क सेंवा
य हि द धाल वान ॥ ॥ ज न थ नि थ ज वा पाल म धम ॥ ल सि ध न ग्म त र वा य ॥
खाल वा वान नय ॥ ख न ब का स जि न नय ॥ वा पालि क गु मान न व ल य म ह
ज थ न ज य उ का गी न थ र व ह्ना य ॥ ५ ॥ ॥ म पू १३ ॥ ॥ उ क्ते ॥ ॥ वि कट
सि द ना ज न उ ॥ का ट वा न रा श न स ल न ना श्रा ज जि न ना न डी न ॥ ॥
दि न ॥ ह का ट वान ला श स वा धा य कू ज न द द क स दि या ॥ ॥ का ह वि

हि. ४५

कट सि द म हा ना ज या ज य थानि व न के माल न ना न नू या ॥ ॥ न ॥ ह का ट वान
रा श द जि ज मा स ने ॥ ॥ का ॥ ह म हा ना ज वि कट सि द वा दा ज ह य
धू ना ॥ ॥ ना ॥ ह का ट वाने ज व ध्वा द हा ज या जी वा द ॥ ॥ का ॥ ह म हा ना
ज ज व ध्वा ॥ ॥ न ॥ ह म हा ना ज म की रा श स वा न न ये ॥ ॥ म की
ह वि कट सि द द हा ज या जी थ ज थ या न या ज ॥ ॥ न ॥ ह म की रा श
द जि ज ॥ ॥ थ न न उ न ना ना ना ली या क धा य ॥ ॥ ह म हा ना ज म हा
ना ली लू सि स मा ल रा स वि कट सि द न ॥ ॥ ना ॥ ह वि कट सि द ज व ध्वा

हि. सि.

४६

लूसिसमातयाज ॥ ॥ यननउनत्तसिध्वराजयालमालकायवैकाद
हविकटसिद्धयवैकायाजइति ॥ ॥ नउरुमहानाजकुलयालस
कृपादजिजकुलयालसवनहसवाहनाय ॥ ॥ स्वइकाज ॥ ॥ त्राजिजि
यजयालमालकायायधूनाजिपजकुलने ॥ ॥ यननउजददजाल ॥ ॥
नाहकाटवानधूनाहिनवाकनवादाडाजिज ॥ ॥ काटहमहानाज
त्रयध्व ॥ ॥ का. त्राजिजिनमहानाजगायधूनाहिनवादेडनि ॥ ॥
काटवानजदनीय ॥ ॥ यनविष्णुगम्भायूनाहिनकाटवानजदनीय

हि. सि.

४७

नागकदाना ॥ ॥ य ॥ ॥ रुनअमनसगसजानदनवांन
जिननजालाल ॥ ॥ कृमृदिनीसूगजययुकाशनकुलत
मनगयमाल ॥ ॥ मप्रैर ॥ ॥ यकू. का. हविष्णुगम्भायूनाहिन
न. नाजपूतयानामकनहायायमालननानविष्णुइने ॥ ॥ य. हकाट
वानत्रवध्वजनेनया ॥ ॥ द्वि. य. हकाटवानननानजनेनया ॥ ॥
का. ह. नाजपूनाहिनत्रवध्वविष्णुइने ॥ ॥ दधूस ॥ का. ह. महानाज
यूनाहिनविष्णुगकेधूना ॥ ॥ ना. ह. काटवानत्रवध्वइहाविष्णु

किडा ॥ ॥ पू. ह. महा नाग महा ना दी छु हा दया मु ॥ ॥ त्रासि वि
 या ॥ ॥ नागादि दन ॥ ॥ ह. विष्णु धर्म्या पूनादि न कि कुल यो ल स च न ध स
 जिय नि स पु ध म ॥ ॥ ना. ह. विष्णु धर्म्या पूनादि न थ गु लि त्रा स न स वि अ
 म या स वि द्वा द न ॥ ॥ पू. ह. महा नाग ज न्न व द्ध ॥ ॥ वृ. ना हा न वि अ म ॥ ॥
 ना. ह. की ट वा न ना म क न दी या सा मा ग या ल या दा डा हि डा ॥ ॥ का. ह. महा
 नाग ज न्न व द्ध ॥ ॥ का. ह. महा नाग सा मा ग या ल या दा डा ह य क धू ना का ह
 वि द्वा द न ॥ ॥ ना. ह. की ट वा न ज न्न व द्ध ॥ ॥ ना जा द न ना जा ह य ना दि न

विष्णु धर्म्या नाम क न व क र्म या स वि द्वा द न ॥ ॥ पू. ह. महा नाग ज न
 व द्ध ॥ ॥ थ न ना जा ना दी हा सि पू ना दि न द हा य क र्म या य ॥ ॥
 जा सि न न द य का य ॥ ॥ न. द. ये ना घ मा स क पू य क य नि प दि मि (थो)
 अ व द न क र्म सि द्धि या (ग य था क न व म द्ध क सा म वा स न म घ ना
 सि ग न स वि न नि म क न ना सि ग न क ल म सि ॥ ॥ पू. ना दि न ना ज
 पू या ना म क न व क र्म या य ग श्री सूर्य या ग न र्ध वि या ॥ ॥ श्री सूर्य या
 न म ॥ ॥ थ न नि प न पू जा या य ॥ पू. ह. महा नाग ज न्न व द्ध या ल या पू या

नाममगधज नमिसगपिशूयु॥ ॥ नाजा रुप्रवाहिनविष्णुमर्मा
 थदक्रिष्णकासविष्णुइन॥ ॥ यना रुमहोनाउरुलपालसेक
 या॥ ॥ नाजा रुअगिकीचकनाउ थदक्रिष्णकाउ॥ ॥ आसि
 रुमहानाउरुलपालसकपा॥ ॥ यननाजादिसकलदलिहा
 ये॥ ॥ नाजा रुशीलवती नृपवती नृदिसाकपनि नराग
 ननन यनखचिविष्णुमयाय॥ ॥ सर्व रुमहानाउ नरवन्धवि
 आगयासविष्णुइन॥ ॥ विष्णुम॥ ॥ दिदि रुमहानासी नरा

आजियअरुअन॥ ॥ नृय रुसुमननरडी थउसग गिसाका
 याअइनि॥ ॥ दिदि रुमहानासीरुलपालसकपा॥ ॥ दिदि रु
 महानाउ महानासीरुलपालसवनस सुवाण्णाय॥ ॥ आसि
 रुमहानाउ नराअजियअरुअन॥ ॥ नाजा रुअगिकीच
 कनाउ नरवन्धइनि॥ ॥ आसि रुमहानाउ महानासीरुलपा
 लसवनस डिपमम॥ ॥ दथस॥ आसि रुसुमनदिदिथन
 नाजानविका दामअसग विचनसनेगदयकाउ डिनाय वाका

दि. दि.
५२

अनदा ॥ ॥ दिदि, हु न्या सिखा ल, आव ल, ना स ल म ड, आ सि, थ
थि क र्वं झा दा उ डि श ना य डाय म न डू नि ॥ ॥ दि दि न ग ल स
पि क्का य ॥ ॥ आ सि, हु सू मन दि दि, न म (थ र्वं झा य म न, उ य न
रवं सू क ल्यां ड थ का डि वि न ती ॥ ॥ दि दि, हु ना स ल ना या क, आ सि
नू था ॥ ॥ थ न दि दि आ सि उं नि स्सा न ॥ ॥ ना ग व ना लि ॥ वा
॥ हु व ष ष ड न थ नि व न डू न मि मि क्क नि, क्क ड डि उ ला ड या
य म नि ॥ क्क दा थ नि डि व य न क्क न क्क ह मि नी ॥ अ ॥ झा क्क क्क ड य

दि. दि.
५३

यु को णी, गु य न डू स रु ज स, न य स य पि नि नि म न स ॥ ॥ मे पू, गा ॥
वु क्क ॥ आ, हु सू मन दि दि आ ज मि मि स न स न ग या दा ड थ ड क्क ग ड न नू था
दि रा हु न्या सी र्वा ल आ सि द डि ड नू था ॥ ॥ दि, हु ना सि ला श न ना न मा स न ॥
हु सू मन द डि ड नू ड ॥ ॥ ना, हु का ट वा न वि म ला इ ड मा स ल ना ड डि ड ॥ क्क
॥ हु म हा ना ज अ व ॥ ॥ का ट वा न ज ड क्क ना ड ॥ इ ड मा स ल उ ॥ ॥ हु वि म ला इ ड
मा, म हा ना ग या आ हा क्क न ना न डाय माल ॥ ॥ वि ग्म म ॥ ॥ थ न इ ड मा ड ड ति य
वु क्क, आ ज जि न का टा ल न स ल ग ली, अ न ड दा ड अ व य ॥ ॥ दि, वि, हु का ट वा

हि. दि.
५४

नलराकुजजनदयका ॥ ॥ का ॥ हविमलामहानाजयाधसजनेनया ॥ ॥ हका
एवानलरादजिउरकेमासने ॥ ॥ दधूस ॥ का ॥ ॥ हमहानाजविमलाइइमा
दाजहयधूना ॥ ॥ ना ॥ हकाएवानधनवादाडाहिउं ॥ ॥ वि ॥ हमहानाजम
हानाजीसवोवूनाये ॥ ॥ नाजा ॥ हविमलाइइउयाअभावालहिया
अथादा ॥ ॥ विम ॥ हमहानाजकुलयालस नराहयमा ॥ ॥
रप ॥ हविमला ॥ छनधभाचारिनकलहियमाल ॥ ॥ भावालअ
काके ॥ ॥ विम ॥ हमहानाजी ॥ छलयालसकपा ॥ जिम ॥ अजीस

हि. दि.
५५

वायाय ॥ ॥ यनइइमानभावाहयकाअ ॥ अगयक ॥ ॥
विम ॥ नराअजिनलाछिउदाअ ॥ निरालसगयाअ ॥ अगयकाअग
य ॥ ॥ यनभावापिनयदभ ॥ ॥ नागरुपालि ॥ वा ॥ विअ
इनइइवनलाछिस ॥ अगाअ ॥ जिनविय ॥ वाकुमवि ॥ रवायमनरा
अ ॥ कनारलि ॥ कुकि ॥ कि ॥ नंगपियाकाअ ॥ अगएलमाल ॥ अ
ययकाभनयअ ॥ ॥ भय ॥ ॥ ॥ यक ॥ विम ॥ रासाउ ॥ ॥ दि
क ॥ नराअजिननानेअन ॥ ॥ यनभावाहिलाअ ॥ इइमाअअ

हि.दि.
५६

निर्यंइ॥ ॥यकुं, विम, रुनाउकुमान, वकुमाइ विष्वाकथासु
विष्वायनला, वनरुनविष्वाइन॥ ॥नाउकु, रुविमलानरडी, न
वम्भन्या॥ ॥द्वि, नाउकु, रुविमलानरडी, ननाने शनन्या॥
॥विम, रुनाउकुमान, थाकुनदडि, विष्वाइन॥ ॥विम, रुमहाना
उमहाना, लाछिसनिराजमङ्गयका, साहुवथाकुन विष्वागका
॥ ॥नाजाना, रुविमला, नवम्भविष्वागकि॥ ॥विम, रुसाहु
य, नाउकुमान, वकुमाइ, सवाधया, इहाविष्वाइन॥ ॥नाउ

हि.दि.
५७

कु, रुविमलानरडी, नवम्भ॥ ॥नाउकु, रुवकुमाइ, नरमाइ, कुल
थालसवनसदियमाम॥ ॥नाजाना, रुअनद्वे, नाउकु
मान, धनेइहा विष्वाका, नरसनस विष्वाइन॥ ॥नाउकु, रु
वकुमाइ, नरमाइ, नवम्भ॥ ॥नाउकुमान, इइमा विष्वाम॥ ॥
इइमादन॥ ॥इइ, रुमहानाउमहाना, नराडिथडा, कु
न, नराहायसहाइस विष्वायमाल॥ ॥नय, रुविमला, सावास
भावाया, लिनकसवाया, ककुन, थउसग, निसाकाया, डाइनि॥ ॥

विम, रुमहा नीली, छलयालसकृपा ॥ ॥ विम, रुमहा नाऊ, महा
 ना नी, छलयालसव नमस सको नार्थ ॥ ॥ दध, नरा अजि नरा
 नन्दन, थ अकृ, अन ॥ ॥ थन इ इ मालि हा उ नि स्ता ॥ ॥
 नाग सी ॥ लं ॥ गिल हिल उा सन, विल थकू मीन, न सन उा का उा
 थ अ थि थि फन कीन ॥ झा क उ य व न का म, थि थि वी नी न, उ स
 क स उ स ला क, थ नि रि दे दिन ॥ ॥ भय ११ ॥ ॥ य कू ला
 सारं ॥ ॥ द्वि कू, विम, नरा अजि न नार्थ अन ॥ ॥ सत्य च उ, रुमी

द्वि वि ल व नी नृ प व नी, नरा दि ला क प नि, नरा उा मि मि स, थ न नरा न च
 न वान ॥ ॥ स च, रुमहा नाऊ, नृ व म्भ वि थ म या स वि झा रु न ॥ ॥
 थ न, सत्य च उा दि, स च, थ लि क र्थ थि ॥ ॥ ल ३ ॥ ॥ थ न, झान
 सि द, का व सि द, द व ला नि क या य व म ॥ ॥ ना ग सा व थ ॥ य ॥
 झान सि द का व सि द इ ल प न व म, न रि डि क वा अ ल रु य क न र
 म ॥ मि स कू ल द स स क, रु गु लि मि खान भ व या डि व स झु रु न रि
 न क झान ॥ सु भ गि नृ प गि उ य य का ग न झाल ला क न थ प नि नि

६०
 हि. वि. ॥ स्त्रययदमच्छाल ॥ ॥ मय १८ ॥ ॥ हान हागहों कि जा का
 थसिंद हागहों थन खवि हनेहों मनय का अथा न हागहों ॥
 ॥ काय हागहों ददा हान सिंद हागहों द जिअ ख हागहों ॥
 विअम ॥ ॥ हान हागहों काय सिंद हागहों जिने थअ महि
 मा हागहों ह्राय ददा हागहों ॥ काय हागहों ददा हान सिंद हाग
 हों छन द्वाअ हागहों ॥ हान ॥ ॥ खअमख खवि चो लं कार्य या
 क हान सिंद हागहों वलसुग यम जालसु सुं मड जाल जी हां ॥ नगिन विक

६१
 हि. वि. ॥ ठखार्न शाय छालं मड हां मनन मघद नउं आहिया भ्रमिंया क हां
 ॥ हागहों कि जा काय सिंद हागहों थथिद विकट खाल हागहों थवला
 हान सिं नाम जी हागहों ॥ ॥ काय हागहों ददा हान सिंद हागहों
 छन खअथ द्वाक हागहों ॥ ॥ काय हागहों ददा हान सिंद हाग
 हों जिने महिमा हागहों ह्राय ददा हागहों ॥ ॥ हान हागहों
 कि जा काय सिंद हागहों छन द्वाअ हागहों ॥ ॥ काय ॥ ॥ ॥
 हागहों मन नगि जि क मया जीव काय वस हागहों कट कन

हिंदि
६२

रिनकं जि खाल सायं मच्छालहों, जि थिंदमवमइसूं खामियाः
कार्ययाकहों, इअ नरतिनमकाली नामदं कावसिंहों ॥ हागहों
ददा हानसिंहों हागहों नरधिद नरतिन काली हागहों दअलाका
वसिंहों नामजी हागहों ॥ ॥ हान हागहों कि जा कावसिंहों हागहों
हून खअ (य) झाक हागहों ॥ ॥ हान हागहों कि जा कावसिंहों
हागहों, नराउ मिमिपी ० सु हागहों वानउ नन्या हागहों ॥
॥ काव हागहों ददा हानसिंहों हागहों, द जि ख हागहों ॥ ॥

हिंदि
६३

॥ थन दवलापनि उं नि स्मात् ॥ ॥ नागरुध्वानी ॥ वा ॥ नथाः
कि जा उं नथनि, पी ० सु वानमनि, पूजा उं उलाक स्वयाश, पिचा
यकि कललिनि, नरपालन धायमनि, कादू वाद वान गयाश ॥ झा
क उयप काशन, थअ लपस कथन, यरुल पिग उं सुख काउ, य
लग्य उं उं जा काउ, दव याक दामलाउ, कोलाय जाल मिदाउ ॥
॥ म. य. १२ ॥ ॥ पक्षरा साउ ॥ ॥ दिक् ॥ काव हागहों द
दा हानसिंहों हागहों ननानं उं नन्या हागहों ॥ ॥ हान हागहों

सुहृदीलवगीनृपवगी आदि लोक नृप नृप नृप नृप नृप ॥ २
सुहृदीलवगी नृप नृप नृप नृप नृप नृप ॥ २

हि
६४

किं ज्ञा कायसी हान हों द्रु जिश खे डान नृया हों ॥ ॥ लू ४ ॥
॥ यन सत्य वृजादि सर्व पलि कृपे ॥ ॥ विष्णु म ॥ ॥ यन वृ
द्विक न मलि वाडा अर्थ म ॥ ॥ नाग वलादि ॥ या ॥ सव नृप
नृप सून हान गुण लाक मन गम डान थनि जिश नृनि जाक ॥ नन
य मि जय यन का मन लाक ग्वक्र क सना जावल डान द (य लाक ॥
॥ भय २० ॥ ॥ यक्ष ॥ ॥ मलि वा वृद्विक ल नाम मलि पूर जिश
डाना कृमान या भवा याग डान ॥ ॥ दधु ॥ ॥ सुहृदीलवगी नृप नृप नृप नृप नृप

हि
६५

नाज कृमान कल पाल स नृप नृप जिश म ॥ ॥ नाज कृ सुद्विक न मलि
पूय यन इहा डिया डिया ॥ ॥ मलि वा रुनाज कृमान नृव म ॥ ॥
यन मलि वा विष्णु म ॥ ॥ यन नाज दन कृलाय ॥ ॥ सत्य वृज रुनी
लवगी नृप वगी सुद्विक मलि ॥ ॥ नील नृप मलि दका डान ॥ ॥
सुहृदीलवगी नृप वगी सुद्विक मलि नृप जिश नाज या विवा लयाय
मरुगी वी नृप डयाग नि का वि या डाना ज या ला ना वि य ध क मन नल
न या ग (य या द माल ॥ ॥ नील मलि सुहृदीलवगी नृप नृप नृप नृप नृप

हि. ५६

विश्वरूप, कलपालसंस्कृत ॥ ॥ राजा, रुमलिना राजा साययाग, सामा
नयालयाडा ॥ ॥ मलि, रुमहाना जनेवन्ध, जिननयालयाय ॥ ॥ थ
नराजा नाभी मलि विश्वम ॥ ॥ थनरूपवती नाभी, ददाडा ददाय ॥ ॥
रूप, नराजिजननर्थरुसा, थनराजान जिगवचन विगाडा, रुयकाडा
नले, दधक्या काय, नाजायाय ना, जि काय मगधज, वाकनरुयुडा, थन
जिन कुडयाययाय, जलनियाय, इस्वन काथस डादाजानिना ॥
॥ थनरूपवती नाभी, काथस इहाय ॥ ॥ थनराजादन इहाय ॥ ॥

हि. ५७

सत्य, नराजि मगधनरूपवती नाभी, काथस इहायाडा वान कुकाव
सजिनरूपमयाय ॥ ॥ सत्य, रुपासपियावी रूपवती, काव लमदय
कगमवाय याठय मख, थनडायाडा थाडा ॥ ॥ नाजानसलग, उग
त्रमविडा, नाजा, रुपासपियावी रूपवती, जि कुनरुप नात्रनमवाया
कावसजिनमसिया ॥ ॥ रूप, रुमहाना ज कलपालसंस्कृत जि
मख, मगधक्या थसविद्याइन, थनविद्याग मूमात ॥ ॥ नाजाह
पासपियावी, रूपवती, कथमगध, कलान मवजि, सुमइ, कुका

नाभी

हि ५

६८

पद्मसूक्तम् ॥ ॥ त्रयं ह महाबाहु जिन कृदाशुलि वियवक स
 त्वदगसा दलपाल सन्नाहमानययाय ॥ ॥ नाडा हृषावपि
 यात्री त्रयवगी च न कृदाशुलि नवम्यनं जिन विय सत्यसत्य स
 त्व ॥ ॥ यन नासीद काश पिहाशयकाश ॥ ॥ नासी ह महा
 बाहु दलपाल सन्नाहमानययाय विनकाश जिन विनगीयाय कर्त विज्ञ
 हुन ॥ ॥ ॥ यन त्रयवत्य कि दशुक ॥ ॥ नागविलास ॥ ॥ ॥ ॥
 का नाडा द्विवयने यमने गयमास अगधज नाजायाश मन्नालम
 हृषावपियात्री त्रयवगी च न कृदाशुलि

हि ५

६९

माल ॥ कायसहिगन कथ पिनिदध्यायाश यन जनदका जिनय
 निरुडाकाश ॥ कम्दिनिस्सगजयय कामन काल मयायमहिडा
 थडासगगयमाल ॥ ॥ नासीयाभरासा ॥ ॥ ह महाबाहु दीवध
 जया दलपाल काश जिन वियमाल जि कथ जीलवगी पियि
 काश द्वाभविश्रदुभ ॥ ॥ नाडा ह निहनि हृषावपियात्री त्र
 यवगी ययेनया एग कर्म यायवक अयमर्त जिन विनगी कदा
 ॥ त्रयं ह महाबाहु जिन कृदाशुलि वियवक सत्ययाकान
 यि ३

६१

७०

लि. कृत्वा दस विद्याय गदा, नरा दय किं उ॥ ॥ धन ना जा
किं दलु क॥ ॥ नाग विलास॥ ख ॥ त्रिवय न कदा सुन्दरी मग
थ (थ) धाय, गिल हिल का दी वन का उ॥ ख३ ॥ मग मग द्या य न व
न म द्धन काय, स्य उथ न वि धक गया उ॥ नर प ड स लाय, मख थ ध
जिन याय, जि जि अ व न का उ॥ ख३ ॥ न न य गि ना उ, न व न म का उ, उ
य य का मन थ लि धा उ, उ ग न स ला उ, न क थ इ यि उ का उ म ग
या य मन न स्य या उ॥ ॥ भ य ॥ ना जा या भ ला सा ॥ ॥ सत्य,
छन ३

६१

७१

रुद्र पवनी, ध न था ग्य क र्म जिन याय मख, का टि व न न न क
न र्म का ल वि य छन का उ॥ जि वि न गी ॥ ॥ न य रु म हा ना उ
दु ल पा ल स न जि क वि न गी या य न या ग्य, थ उ स र्थे न का या य
मा ल सा या उ॥ ॥ ध न रु नि रु नि य क ना जा म् द्यो इ य ला उ॥
॥ ध न गी ल व नी, वी न द्ध उ म नी द का उ सा य ला उ॥ ॥ म नि
रु म हा ना धी, गी ल व नी, वी न द्ध उ ना उ रु मा न, न क स्मा न न म
हा ना जा या, न य द्ध रु ल, ना उ मि मि स न गी न ला य ता न या य॥

६६
७२

॥ श्रीलवीन रुसुवृद्धिमलि नरवधननार्न, गीत लापवान
याय माल ॥ ॥ थन मलि नादी, नाउकुमानन अरुवा पानन
ल, श्रीगल जलन हायाउ, श्रीगलापवान याय रुडा, मालका नाउ
याय दयराडा ॥ ॥ वीन रुवृद्धि, रुक सागन, रुतपालस रुको
रुल, कावत रु, रुहाद स विद्याय माल ॥ ॥ सत्य रुपुग वीन वृद्धि
खं जिन वाय मजिडा, रुन व मात, जिन रुहाद रुलि विय माल वक, जिन
सत्य याग काडा, रुन मा म पि लि का याडा, रुन रुल (यकाडा) जिन विय

६६
७३

माल वक, माल ॥ ॥ वीन रुवृद्धि, रुका स विद्याय माल, जिदु क्रयाका
वन रुतपालस सत्य रुक मगडा, जिदु माल वडा न ॥ ॥ वीन
रु मलि रुडा जिथन वीन मजिडा, रुन व पि रुडा रुडा वान ॥ ॥
मलि रु नाउकुमान वीन वृद्धि, रुयाय, रुचि रु म गीत गाल वि
द्या रुन लि (य माल रुलि यल याय, रुजिपुग नाय वी रुडा विद्या
रुन ॥ ॥ वीन रु मलि रुवृद्धि, रुवध ॥ ॥ मलि रुपुग वृद्धि
कन, रुन गन गीत मग, नाउकुमान नाय रुनि ॥ ॥ रुडि

द्विदि

७४

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ का ७ ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ASHA AGRIYAS

आशा

2577

हि. ७५

जाया श्रीशायमान हाता हा दजि उ ख जि य नि उ न हाता हा ॥ ॥ थन द ड ना
यनि मा कै पि उं ॥ ॥ काट वानन नागीया कति स न के ॥ ॥ का. हम हा ना
ही जिन माया उ वा छे ल य नि क्का य धू ना ॥ ॥ नागी. ह काट वान धन ज रा
ज बो ट ॥ ॥ का. हम हा नागी अ व ध ॥ ॥ काट वान वि धु म ॥ ॥
थन म की द हा उ ह हा य ॥ ॥ धन स रा व व न डा द या द नित ना ज न के
मा य म हू नी ल व ती ना गी पि नि द क्का लो ना ज कू मा ल या न न र्थ र्व मा या उ
क्का ल. ना उ जिन ना ज या न व अ य या न का उ ना गी ना ज कू मा ल माले

हि. ७६

ध क यि हा वि का न के ॥ ॥ म की. हम हा ना ज (धे र्थ) या स वि का द न ॥ ॥
ना. हम की जिन ग थ (धे र्थ) या य कू वृ द्धि र्थ या उ जि थ पि द न न र्थ र्थ ना ॥ ॥ म
हम हा ना गी थ नी म हा ना ज या न (धे र्थ) या उ ना ना ति ध न स स हा ना ज व
अ य या न का उ कु त या ल स म ना द या न के ॥ ॥ नू य. हम स व द्धि म की कू न
वि वा ल स ना ज (धे र्थ) या उ ॥ ॥ म की. हम हा ना ज थ (धे र्थ) धि र्थ या स
वि का य माल म व वि वा ल या स वि का य माल ॥ ॥ ना. हम की अ व ध ॥ ॥
ना. हम नू य व ती आ दि लो क आ उ ती न ध ज ना ज कू मा न द ४ व न ग न डा

हि. दि. नारवसस्यलजनेनूया ॥ ॥ सर्व ॥ ह्रमहा नाज ऊव वध विष्ठा हुने ॥ ॥ यनस
७७ स्यध्रुवादिन नाज कुमान नाही मालधक उं नू नान मे ॥ ॥ नाग विहा
गना नू य नाही ॥ रव ॥ वीन वध जडान गन सथील मरुडामने गन वधय
हलजिनि लास ॥ हनी २ ॥ धनम रूयि जधने यरुल पा नू कथने यदि
गस हल ड व हास ॥ हनी २ ॥ हलजिग नास ॥ ह्ना क उय पु का भन हनिल
जन समने जस सन छागी यने का ॥ कूदिने सहिद गन इयि जस
दिन धने ॥ वन यरुयि जध ज नू स ॥ ॥ भयू ॥ ॥ यु कू लासा डी

हि. दि. दि. सर्व ह्रमहा नाजन नान विष्ठा हुने ॥ ॥ ना ॥ हनू यवनी आदिली
७७ कनू वध जनेनू यो ॥ ॥ लू ॥ ॥ यन विष्णु ल क सन स्यति युवेमा ॥
॥ ना गूही वी ॥ रव ॥ सन सन धनि हनी हल वने वम ल विमिसन स्य नि
त्रिती ह ले ॥ ॥ ज वुड रु ल या उ न जस या ही न नू ध म नू सन ना ही या य स
नू जी न ॥ ह्ना क उय पु का भन थ सलिस थी ल विन न स वन ल वरु वरु य ही न ॥
विष्णु ॥ हल क सन स्य नी आ ज धने रव वि विष्णु म या य नू यो ॥ ॥ ले स ॥ ह
जे ला क ना ध म हा विष्णु नू व गध विष्णु म या स विष्ठा हुने ॥ ॥ विष्णु म ॥ ॥

७६ हि. वि. हल श्री सनसुता जिनेखत्रुन श्री ह्याय देव ॥ ॥ ल. स. ह. उ. लोका नाथम
 हाविष्णुत्रयं श्री ह्यादस विष्ठा हुने ॥ ॥ विष्णु हल श्री सनसुता नाथम हाविष्णुत्रयं श्री ह्यादस
 माग या के लोक सम सैरुज नैजिया के ॥ नाम जिना नाय हाम् र्या देव जया
 महा हर्ष नैगरुमी ॥ ॥ विष्णु हल श्री सनसुता नाथम हाविष्णुत्रयं श्री ह्यादस
 तिनाया कलम हाविष्णुजी ॥ ॥ ल. स. ह. उ. लोका नाथम हाविष्णुत्रयं श्री ह्यादस
 याग्य श्री ह्यादस विष्ठा क ॥ ॥ ल. ह. उ. नाथ जिनेखत्रुन विनगीयाय मनन
 सैरुस विष्ठा हुने ॥ ॥ वि. हल श्री कन ह्याउ ॥ ॥ ल. श्री हल श्री ॥ लोक नैधन

७७ हि. वि. कर्पजी रावनाया कस देवी ॥ ल. श्री नाम महा देवी नैगरुमी सनसैरुया ॥
 ॥ ह. उ. नाथ थथिठ हल थाल समन दाम हा देवी ल. श्री नामजी ॥ ॥
 वि. ह. उ. नाथ थथिठ हल थाल समन दाम हा देवी ल. श्री नामजी ॥ ॥
 नैखत्रुन विनगीयाय मनन सैरुस विष्ठा हुने ॥ ॥ वि. ह. उ. नाथ थथिठ
 निसनसुता हल ह्याउ ॥ ॥ सनसुता हल श्री ॥ समरु लोक नैधन
 कजी रुहा कामन ॥ सनसुता नाम देवी जया हर्ष नैगरुमी ॥ ॥ ह. उ. नाथ
 नाथ थथिठ हल थाल समन दाम हा देवी सनसुता नामजी ॥ ॥ विष्णु ॥

दिदि

८९

हलभीसनसंगी श्रुतिमिमि सवेकृष्ण यूनीसजाननूया ॥ ल. स. हृ
 लाकनाथम हाविषुत्रवैष्णविकाहने ॥ ॥ धनविष्णुदिमिस्माने ॥ ॥
 नागदेहागना ॥ ॥ तद्विमिनसनजमेवेकृष्ण स श्रुति ॥ सूनमनीगत
 त्रूनजयिजमूदाडा ॥ ॥ श्रुतिजययनकाशमल्लतकाल ॥ लेगमजनसमनन
 यसयमाल ॥ ॥ मे पूर ॥ ॥ यदृगसाड ॥ ॥ दि. लि. स. हृ लाकनाथम
 हाविषु ननानेविष्काहने ॥ ॥ वि. हलभीसनसंगी श्रुवैष्णुजाननूया ॥
 ॥ ल. ॥ ॥ धनश्रुति ॥ ॥ निगुवीनधज पारखान नाठकद्विनिया क

तृ. दि.

९

शा ॥ ॥ श्रुथमि नियादि वमस्त ॥ ॥ नागमेनी ॥ ॥ श्रु. जय वा. ग. हृ वीया
 कनउकान ॥ ॥ ॥ जगतजननिधन पनितनसहितन मनसनयाक किते वम ॥
 शवनयचिवनहा सूनमनीगतजान रुगतयायून यांक श्रास ॥ च. ल. क. र.
 ल. तुल. हा नीलयाउन हल. र्यल श्रुदिल जान ललास ॥ यडम श्रास नगल च
 नहोस लपायल निल हिल नल नियाधम ॥ दयाने स हृ जकिने मंदयक
 नलधिन यूनजन पनिसंग नास सतिया नवल विल देन गति श्रुतकल सव
 कनयान क विलास ॥ ॥ श्रु. दि. नी. दे. वी. सून जयय का. ग. ग. सून श्रुति यून कौ. हा

तु. दि.

२

थानि झाडा विदुने न बास जय स दाद दूत किरुय दयाद सयन या ड
शस ॥ ॥ मय ॥ ॥ यनय स नाज विरुगुय पु य ॥ ॥ नाने को गि ॥ यी
न दयालेवन स ल तथ नियन वेग यन गत स ल जम नाज विरुगुय सहि नन
मन सन सन यन या दाडा अति न लि द साज ॥ यापि या अहि न यम विषम म ह डाष
स धन मि झम ग ल मान धिनि विनिया क थम या क न क न म स से विवेक स
म इडा स मान ॥ दया ल द्दि मि या पति अति नि न म न म ति जय व न का गे न स ल थ
डा कृत्त धन म स दाद झम ग स ल स म इ ख से लि चि ले म मान ॥ ॥ मय ॥

तु. दि.

२

यम ॥ ह विरुगुय थन ख विविगुम म या य ॥ ॥ चि ह धर्म नाज अ व ग विगुम म या म ति
झा क ने ॥ ॥ विगुम ॥ ॥ यम ॥ ह विरुगुय जि न व अ ली झा य द ड ॥ ॥ वि ह धर्म
नाज अ द स विझा क ने ॥ ॥ यम ॥ ह क ॥ माने विम धर्म इ झे ज न श र्म क या मि ने या
यी ज न क न क या ॥ या र स स धर्म त म विवेक न क र्म म दां या क झ गी धर्म नाज थ ह ति
गुगुय थि थि द न्या य विव क न य र्ध या य विना ल या दा डा क र्म या क द क्रि वा दि क ल धर्म
नाज नाम जी ॥ ॥ चि ह धर्म नाज क ल पाल स न य क अ द स विझा क ॥ ॥ विरु
ह धर्म नाज जि न व अ ली विन नी या य द स विझा क क ने ॥ ॥ यम ॥ ह विरुगुय क

तृ.दि.

४

न ह्लाडा ॥ ॥ पिउ (अनेक) समस्त या नी चनिसे न लाहा प्रथम सिया या यद का स
मस्त निर्ये जिने यद सय क या स ॥ वा से न या नाम जी विगु गुफ ॥ ह धर्म नाग
था धिद समस्त या नी व नी स प्रथम या व नी स ग जा क विगु गुफ नाम जी ॥ ॥ य ह विगु
गुफ च न य क थ ह्लाका ॥ ॥ य म ह विगु गुफ त्रा उ जि मी स र म र नी स ज न
नू या ॥ ॥ चिउ ह धर्म नाग नू व ध वि क र न ॥ ॥ य म विगु च नि स न ॥ ॥
नाग सा नू ग ॥ ॥ चिउ नू या ना सा ह न व न य म र नि ज न त्र न ॥ वा न द का ग न नू न का जी
नू ज य नि ज न रु य ॥ य पि य नि थू द न य न न क स क न म ह या ॥ या सा ह य ह न व

तृ.दि.

५

रयाडा ॥ दया ल छि मि जाय ति ॥ ने पाल रु मि या य ति ॥ जय प न का म न काल ॥ च उ च उ ल
ला उ लि म या य म जि उ धु ति ॥ य म सि स वि ग न य माल ॥ ॥ य म उ ला ॥ ॥ य क
हा सा उ ॥ ॥ चिउ ह धर्म नाग न नाने वि क र न ॥ ॥ य ह विगु गुफ नू व ध ज न नू या
॥ ल ॥ ॥ य न वि धु दि उ डी क र म ॥ ॥ य क वि ह ल की म न स नी त्रा उ जि मी
स व क र य नी स ज न नू या ॥ ॥ ल ॥ ह उ ला क ना थ नू व ध वि क र न ॥ ॥ य ध स
वि ह ल की म न स नी त्रा ज व क र स थ न ॥ य न र व वि वि धु म या य ॥ ॥ त म ह
ला क ना थ म हा वि धु नू व ध वि धु म या स वि क र न ॥ ॥ वि धु म ॥ ॥ वि धु ह न

क्रोमनसनी कुपनिनिमसनेयसोद र्ये च दानुदिन नमो ह नो डि न खे न
 ह्री हार ददा ॥ ॥ ल स ॥ यमनाथ महाविष्णु जियनि कुलपाल सत्रधीन ॥
 विष्णु या ददा ॥ ॥ सदनो मन शल उज वचन कुपनि स नू पय दाय लण नम
 दन कलानस के दाजिन सिकन दाया ॥ ॥ विष्णु कि हं गमन ॥ ॥
 नागत सन ॥ ॥ य ॥ ग्वक्रजन जगत स न शन काम या वस रत वि कल नि
 श्राप मन ति जिव वन स ख मे हार म इन स वध से की ल के दा न नि
 राडा ॥ क प्रदि श्री देवी स सन जग य का म स थ व वन नू जिन नै सा

तु. दि.
 ५

न के दान ससन वस थमय तु या ज वस थनत य गुमान म मा ल ॥ ॥
 मय ॥ ॥ वि हेल श्री सन स्त्री नी कुपनि निमसन सिके रा जे वि
 दाडा जिम न स तु शला ॥ ॥ ल स ॥ रुजात नाथ महाविष्णु थ थ विन
 यहा जे न श्राद्ध स विष्णो य मा ल मय जिव श्री स विन नी मन न स के स
 विष्णु रुने ॥ ॥ वि हेल श्री सन स्त्री नी कुपनि सन हारा ॥ ॥ ल स
 दादा ॥ ॥ य उदि रु गन या नाथ गन दम इ दि जी ल उय मान जि मि
 सन गन न य राडा स्व दन नू गि ह ल ल पू रान ॥ ॥ थनत श्री सन

तु. दि.
 ७

ल. ५

८

सुखकिमे ॥ ॥ नागवसन् ॥ न ॥ रुद्रनविनतिपुत्रमननसे श्रुता ॥
 धृष्ट ॥ यमद्विजगतपति, नृगतिजनयागति, मेवजनमइहिसमा
 न, माधव, जियनिसचकिमति, द्विविनानमइगति, नयमइध
 नद्विबमान, माधवगुण, दयातद्विमितापति, द्विप्रजनयागति, ज
 यपनकाशनकुल, धिनममृतिनिमति, राजगुणमइहति, सिसधम
 कमलपमात ॥ ॥ मेध ॥ ॥ लसलकीसनस्वगी, देवातनाथम
 दाविष्, जियनिसनसि करुणामइ, कमायासविष्णयमात ॥ ॥ वि, रु, पा, त

ल. ५

८

वियानिला श्रीमनस्वगी श्रुता नन्दनयनखदिविष्णुमयाय ॥ ॥ त, स
 रु, पा, त, नाथम दाविष्, नृवद्वि विष्णुमयासे विष्णुन ॥ ॥ विष्णुम ॥ ॥
 धननानादयधनमूर्ताजुतागियेइ ॥ ॥ ना, रु, त, धनमूर्ताधनरु
 निरुकि, धिवरुकि, दासदेव, रु, स, उ, दा, उ, शी, नानायवयादधीनया
 नजाननर्या ॥ ॥ य, नानादमूर्ताधननृवद्वि विष्णुन ॥ ॥ द्वि ॥ स, ध ॥
 रु, नानादमूर्ताधनननानाविष्णुन ॥ ॥ ना, रु, त, धनमूर्ताधनरु
 निरुकि, धिवरुकि, दासदेव, उ, ननर्या ॥ ॥ दधूस ॥ ॥ ना, य, त

मृ.दि.

१०

हरे ला कनाथ महाविष्णु लक्ष्मीसनस्तनी कलयालसवनसं स जि
पानिसुखमम ॥ ॥ वि. हे नानदमूनीध्वनय ध्वनमूनीध्वनय धनन
सनस विष्णुदने ॥ ॥ ना. य. हरे ला कनाथ महाविष्णु नृवध ॥ ॥
नानदादिविष्णुम ॥ ॥ ना. हरे ला कनाथ नानदन विष्णु जाडा जे क
लय ॥ ॥ ना. हरे ला कनाथ महाविष्णु जिनखं हति विने नीयाय गद
दस विष्णुमाता ॥ ॥ वि. हे नानदमूनीध्वनय नृवध जाडा ॥ ॥ ना. हरे
ला कनाथ महाविष्णु वध नागाया कनाथ ल कलाया ध्वय वनस

मृ.दि.

११

यिजाथ सजने धकलया सरास चाने धस थ य वनमूनीमा कलख
लया जा विष्णुमा लपुलि जिविनगि ॥ ॥ वि. हे नानदमूनीध्वनय नृ
वध दून धया ल्प य वनमूनीध्वनय मा कलखाल शयूडा ॥ ॥ ना. हरे
ला कनाथ महाविष्णु कलयालस कया वनस कमन स जी लसम ॥ ॥
धननिर्झा विष्णुम ॥ ॥ य वनमूनी कलाया ॥ ॥ य. हरे ला कनाथ
महाविष्णु वध नागाया कनाथ ल कलाया ध्वय वनस मृजाथ
सजने धकलया सरास चाने धस थ नानदमूनीमा कलख

٩٢

१२

नागभूषणादी॥५॥ विनयितवतनददामतिउठोकाय विवकमयासथनत्रगिरु० कृप॥
हमतिनयतिउययुकागतलाय यनमधनमगातनसलाय॥ ॥५॥

हा ना हा जिजामच्छल हां ॥ ॥ को हा ना हा ददा ज्ञान सिद्ध
 हा ना हा मिमिसेन महाना जा गत वेन संमख दा हा ना हा
 जय या यमाल नृया हा ना हां ॥ ॥ हा हा ना हा कि जा को ध सिद्ध
 हा ना हा यां जि कोट वान छ जया वचन न थार्थं थ ज ना जा ग
 थ स्या य हा ना हा जिजामच्छल छ न छल सा या ज हा ना हा ॥ ॥
 को हा ना हा द दा ज्ञान सिद्ध हा ना हा छ न की यां खडा हा ना हा ति
 थ मे थू थ इयं दू रे हा ना हा छ न मात थ या ज हा ना हा ॥

98

元氏

94

सू.दि.
५६

हा हा हा कि जा जा ध सि द हा गा हा थ न प र ना जा गाल गा डा क्का
य नू या हा गा हा ॥ ॥ जा ॥ हा गा हा द दा क्षान सि द हा गा हा कून
धिया ख ज हा गा हा गाल गा डा क्का य नू या हा गा हा ॥ ॥ नि प्र स नै क य
हान जा हा गा हा ना ज कू मान हा गा हा मे हा ना जा या श्रा स थ क को ट वा न
न थाल हा गा हा कूल पाल स व वा श या व च न जि य नि स न म द हा
हा गा हा कूल पाल स सि र ज थ स वि क्का कून हा गा हा जि मि स त्र य ना
ध कू मा या स वि क्का य मा ल हा गा हा ॥ ॥ वी ॥ ह हान सि द का थ सि द ध

सू.दि.
५७

न्य र धाय कूप नि छ सि स ई त्र य ना ध म इ ह गा स चा य मू मा ल जि य नि ज
ने ॥ ॥ वी ॥ ह या सा वृ द्धि कूल श्रा ज य न मं थ न या कू पान जी ज वा व य श ला
श्रा ज मेल गु स्र ज दा डा वान नू या ॥ ॥ व ॥ ह ना ज कू मान वी न ध ज त्र वे
ध वि क्का कून ॥ ॥ ध न वी न ध ज म ली चा डां नी प ॥ ॥ हा ॥ हा गा हा
कि जा जा ध सि द हा गा हा वि वाल या डा डा ना जा गाल गा डा क्का य ध
ह ना हा हा मि मि स य पाल सि द म ध हा गा हा थ ज द डा यां ल
ऊ न या डा ज वी न ज न नू या हा गा हा ॥ ॥ जा ॥ हा गा हा द दा क्ष

सृ.पं.
१८

नसिद्धहानाहाहूननभयाएवआहानाहादविद्यायनहानाहा॥
क्राहानाहादवाहानसिद्धहानाहामभामभानेनहानाहा॥॥
हाहानाहाकिगोहोभसिद्धहानाहादजिउरवेनहानाहा॥॥
थनदभनाथजहुजानिसान॥॥नागकालाडा॥वा॥सूत्रनमा॥थडान
जास्यायगाथरायजमधूथलिथडात्रकिजामिजिथडावा
स॥कधनवचनदस॥ध्रुवनमहोडाखस॥नालसंक्षारविसे
जोस॥कूमदिनीदवीसूत्रदयावधनमनयूनकाकधुगीजय

न २

सृ.पं.
१९

यनकाहा॥विचानमयासेसनेमनडामननखनेध्रुवमयामइ
विसवस॥॥मधू॥॥ल३॥॥थनरुनमानधूसुकापिगे
कधपुवध॥॥नागकाहि॥वा॥नसनसंनृगनस॥नठनयारुतन
स॥यनवेहाशनरुनमान॥गुदावलधूलडास॥मइजानुगनस॥क
यिगननायनसेवान॥नामससंवेकवीन॥कूमदिनीननयूनजय
यनकाहांस॥वेवनधरायिजानिदान॥रुगनजनसडास॥गनरुम
इखेरुस॥दगसुखधनजनमान॥॥॥॥मधू॥॥रुन॥रुधूसुके

म.पि.
२०

हायिगके धौवानन पनखवि विष्ममयाय ॥ ॥ धु.पिं. हवानन
धनहनमान नववध विष्ममयासे विष्ममया ॥ ॥ विष्ममा ॥ ॥ हनु
हधुमुके धौपिगके धौजिनख डुरुतिहाय डड ॥ ॥ धु.पिं. हवानन
धनहनमान नववध आसादसे विष्ममया ॥ ॥ हनु. (मके) मा.
नं सदायाक समस्तोके ॥ धीनश्याजी हनुमाननाम ॥ हधुमुके
नंगगुरुजिजील, रुमीस्मद सेवलनेमगोन ॥ हधुमुके
पिं गके धौसकूट मूखापि डत्रनीवीन महावली हनुमाननाम ॥

नकुकेग १

म.पि.
२१

धु.पिं. हवानन ननु हनुमान कुलयालसेनयूक आसादसे विष्ममया
॥ ॥ धु. हवानन ननु हनुमान जिनख नरुविनगीयाय डसे विष्ममया ॥ ॥
हनु. हवानन मूखाधुमुके धौनकुल ॥ ॥ धु. (मके) धु.मुके धौनामवीन, वल
वृद्धिगुर्धधूला नरुमसीसनसने डायवानन मूखा ॥ ॥ हवानन नववध ह
नुमानपधि डत्रनीवीन कुलयालसेवक धु.मुके धौनामजी ॥ ॥ हनु. हवानन
मूखाधुमुके धौनसखकुल ॥ ॥ पिं. हवानन नववध हनुमान जिनख नरु
विनगीयाय डसे विष्ममया ॥ ॥ हनु. हवानन मूखापिं गके धौनकुल ॥ ॥

अकैकेगकुनसुखमहुका॥२

[illegible]

॥ इति ॥
इति भाग्यशतकं ॥
॥ ३१ ॥ ॥ नमो ॥

नककगहवानप्रदहनमानजिनखंशुकीचिनरीयायदहविआदून॥

पिंगलस्य नाम मर्कटसूर्यजी। नृमीतलीर्नगरसंख

वदनसमशया॥ हृदयाननं ननुमानपीथि दहलालसमेव कपिशंकुडीना

मङ्गी ॥ ॥ हनु हवान नमूरुयिण क णं छन स ख न ह्ना क ॥ ॥ हनु हवान नमूरुयि

धूमकमपिंगकेहोआजमिमिसमहलुयवनसजननरी॥ वृत्ति॥ हवा
नरद्वन्द्वद्वन्द्वमात्रवैद्यविषादमे॥ ॥ इन्द्रमानादिउनिम्मान॥

ननहपन हनुमानत्रवधवधकृतन ॥ ॥ हनुमानादुतामिस्ताना ॥ ॥
नागमावध ॥ क ॥ मन्कटगणपति अनन्तमन्थनि यनवेनहानमरव

नामः श्रुतं यथा वासदनिः श्रुतं कद मूनीष निःशयया स पूलस्तपू कामा

11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044

ገላትያው ይባላል ምክር ቤቱም የደረሰበት

१६६४

दयालु द्विमिया धनि नृपनि मद्रु क म ली जय पन का ही न ध म ज रा ज न

यथीनननि लखलखि इखलनि निदानमथमसूखलाउ ॥ ॥ मय ॥
॥ स ॥ वा ॥ म ॥ इ ॥ दि ॥ य ॥ मि ॥ इ ॥ वा ॥ न ॥ न ॥ इ ॥ य ॥ न ॥ म ॥ न ॥ न ॥ न ॥ न ॥ न ॥ न ॥ न ॥ न ॥ न ॥

॥ सुकृतासाउतः ॥ द्विः ॥ वृत्तिः ॥ हवन् नष्टं नष्टं माननानावद्धुन ॥
हवन् हवन् नष्टं नष्टं धूमकेयपिंगं कर्णं श्रवणं जननं य ॥ ॥ ल ४ ॥

यनेसिमायध्वननय ॥ ॥ जीलवनीवृद्धिमतीसखीपडाचून्दात्म ॥ ॥ नागपुध

मज्जली ॥ २५ ॥ अथ नमिषु नृक्षु लिखं कया वचनन यान्ति न धाधिदुरुवात् जि

उडति काय गन लाय हल नू कथन मसि कजि इख दू नू पाल ॥ हनी २ ॥ कूमयि

तु. १६
२४

नीमनधन श्रुतीदया वाजमन जयवनका हीन काल हनी या रुजने धन या दाज
पून हीमन रुयूज खेधीन जनीमाल रु नीरा ॥ मेय ॥ ॥ गी. रुसखी गधि दइ र्व जीय
नम ह्य नया दूग साजि काय जाले न दयिउ श्रुतिजिन विचार या दाज ज्ञान जने
नूया ॥ ॥ सखी रुन रुना नी गील व नी धे र्व या से विष्ठा रुने ॥ ॥ दि. स. रुम रु
ना हीन नाने विष्ठा रुने ॥ ॥ गी. रुसखी वृद्धि म नी नू व ह्य ज न नूया ॥ ॥
दधु स साय लाज ॥ ॥ गी. रुसखी वृद्धि म नी नू ने क थ स स्व या ज ड या
गने र्व ने मइ श्रुति धन र्व वि विष्ठा म या दाज सा या ज वा ने ॥ ॥ वृद्धि

तु. १६
२५

रुम रुना नी गील व नी नू व ह्य विष्ठा म या से विष्ठा रुने ॥ ॥ विष्ठा म ॥ ॥
धन गील व नी द दाज रु रुय ॥ ॥ श्रुतिजिन थ र्व र्व वीन ध ज ज रुने वा रुन
वन ह्य न या रु ज न या य ॥ ॥ धन नाना य म या रु रु ॥ नि पून जि वि नि रु ल स्या मी व
ही या क रु स रुन इ र्व वि लं रु स रु काल काय रु नि रु नि वि उ काय ना व ला रु का
ज रुन व स जि न या दा ला ज न यु म म ॥ रु नाना य रु क ल पा ल स व ल रु स का टि रु
दी रु स रु रु रु रु रु रु ॥ ॥ धन रु का ही वा नी रु रु ॥ ॥ रु गील व नी धन रु नू मान
या रु रु म ल स रु नू मान न रु न पू रु वीन ध ज ना व ला दा ज धन वा दा ज ना व

लागकाउ विविडा लियन स रुनुमानया कृपान थडा पून बाधन थडा नाह न
 यिडा थू का रुनास वायमू माल ॥ ॥ गी ॥ रुपनम रुधन धं चला ग्यडी रु
 लपालस रुपा रु लपालस वन व स साक्षात् पुत्र ॥ ॥ राडा गी पनम रुधन या
 राडा (पं) ध नी विष्णु मया दाडा रुध राडा चीन ॥ ॥ गी रुवनी विष्णु मा ॥ ॥ धन गी
 रुवनी सुखी पनिकं यि ॥ ॥ लू डी ग ॥ ॥ धन रुनुमाना दि डा डा रुध मा ॥ ॥
 नागमान धा ॥ या ॥ म न कट गन यनि ॥ ॥ युके रु रुवान नमूखा धूस केडी
 पिंग केडी राडा वनाक न स इ खी नि ड डाल या दाडा म रुनु व वन स डा न नूया ॥ ॥
 नक केग १

नक केग ३

पू पि रुवान न रुधन रुनुमान नूव व विष्णु रुने ॥ ॥ दि पू पि रुवान न
 रुधन रुनुमान न नाने विष्णु रुने ॥ ॥ रु रुवान नमूखा धूस केडी पिंग के
 डी नूव व डा न नूया ॥ ॥ द धूस ॥ रु रुवान नमूखा धूस केडी पिंग केडी नक
 केडी राडा धन ख वि विष्णु मया दाडा (म) रा सा या डा चीन ॥ ॥ पू पि रुवान न
 रुनुमान नूव व विष्णु मया स विष्णु रुने ॥ ॥ विष्णु मा ॥ ॥ धन वीन धन
 वृद्धि कल म कु डा डा नू न्दाल मे ॥ ॥ नाग विष्णु स ॥ रु ॥ रु न म जि वान थ
 न डा न डा न चीन गन दयि वन विल वन व स ॥ व वा रु जि च मा रु न रु

नृ.पि.
२८

गलसत्यन मइजगलायया त्रास ॥ हनी २ ॥ कर्मदिनि सुन धन गुणीजन
सनगन ह्लाक क्क हीजय यन काही ॥ भिनज निराज थन सदिन वगग
न लायिडा खेचम थज थस ॥ ॥ मयू ॥ ॥ उकू वीन हस कौपू
यवृद्धि कन थानि मिमी सगधि कद्रु ४ खव पा वही कट हुडा वन मे ध्वन
कयान जीडा वा वय शय काडा डारा ॥ त्राज थन गुं सडा दाडा वाने
नूया ॥ ॥ वृ. हे नाज कुमार वीन ध्वज यन मे ध्वन या कयान उड्डाल शय
जाव नास वास विष्काय मने विष्का रुने ॥ ॥ वि. वी. हे नाज कुमार वीन ध्वज

नृ.पि.
२९

ननाने विष्का रुने ॥ ॥ वी. हे यासा वृद्धि कद्रु वध्वजाने नूया ॥ ॥ दधुस
साय क्क हाय ॥ ॥ वी. हे यासा वृद्धि थन त्रुने कवान नग व मूडा डा वा क
खने द मिमि मेन के दाडा साय नूया ॥ ॥ वृ. हे नाज कुमार वीन ध्वज त्रु वध्वज कस
विष्का रुने ॥ ॥ त्रि. वय रुने ॥ ॥ वी. हे वान नग व क्क यनिस नाम क्क थन क्क य मूडा डा
वाडा ॥ ॥ वृ. मु. पि. न. हे म नूय जिपनिस नाय क रु नू मान थन विष्का क जिपनि डायाना
कन क्क यनिस थन क्क य डाय ॥ ॥ वी. हे वान न जिपनि नल पूनीया नाय पूग वीन ध्वज
नाम द ४ खन थन डाय ॥ ॥ वी. वृ. हे वान न ध्वन ह नू मान क्क ल पात स वन व जिप

ल.दि.
२०

सम ॥ ॥ वी. वृ. हृवान नन्द हनुमान कुलपालया हानदा जि उड्डालयास विष्णु
यमालस हमु विन नि ॥ ॥ थन हनुमान हा क पूय हनुमान न ना जाय न ॥ ॥ हनु
ह ना ज कुमान वी न ध्वज खे र्या या ज अ व ध्व उ ड्डा न ह यू ज कुन वृ हान क ला ज ॥
॥ ॥ वी. हृवान नन्द हनुमान जिव वाहन माशन व ध्व या हा उ जि जी उ काय क न न
विन ना या हा उ वा अत या ला हा नि न ना ल न य का ज थ न ज या ॥ ॥ हनु ह ना ज
क्रो मान वी न ध्व ज कृ दिन या ह स न थ प हल ह ना स वाय म न कुन माम भी ल व ना
विनि दा ड ह ना जि श्रा म स ज या ज वा ना जिन नाय लान का ज वि य थ न वि धु म

ल.दि.
२१

निरा ज ॥ ॥ वी. हृवान नन्द हनुमान अ व ध्व कुल पाल स न द या न से विष्णु यमाल
॥ ॥ वि धु म ॥ ॥ हनु ह ना ज कुमान वी न ध्व ज श्रा ज जि श्रा म स ज नि नू या ॥ ॥
वी न ध्व ज नि स र्व ॥ ॥ हृवान नन्द हनुमान अ व ध्व विष्णु कृ ने ॥ ॥ थन हनुमाना दि
ज नि स्मान ॥ ॥ नाग ना ज विजय ॥ वी ॥ ॥ जने नू गा नृ य सून थ नि कुन इ व दू न
ग म ज व नी न ने नि नी नी ल ग न म ष य न व न अ न जि श्रा म द न वृ न कृ न ज
न न स्व स नृ नी ही न ॥ ह्रा क कू मू दिनि सून नी नि धन म न न नृ य ज य व न का
श वी न द व स र ग नि न न उ ज क स सू ख द न म इ ल य थ न थ म हा य र्थी

॥ मय ॥ ॥ उर्कलासाउ ॥ द्वि ॥ सर्व रुवाननेन्द रुनुमान
 ननानेविष्का हुने ॥ ॥ रुनु ॥ रुनाश्रुमानादिलाकयनित्रव वंशज
 नेनूया ॥ ॥ लुज ॥ ॥ धनकीलिचनुनाजादिउ ॥ ॥ धूम ॥ ॥
 नागतनावल ॥ ॥ कनवीनयूनीयनी ॥ ॥ ॥ उर्कलासाउ ॥ द्वि ॥ सर्व रुम
 रुनाजकीलिचनुननानेविष्काहुने ॥ ॥ की ॥ रुसखवगीधर्मवगीत्रादिलाकत्र
 वंशजनेनूया ॥ ॥ दधस ॥ की ॥ रुसखवगीधर्मवगीत्रादिलाकयनिमि
 मिसधजनाककनवीनयूनीसथनोश्रजपनखविविधममयाय ॥ ॥ सर्व रु

नामिसागनमकीनिमूखलुनकाव्यान २

महानाजकीलिचनुश्रवधविधममयासेविष्काहुने ॥ ॥ विधमम ॥ ॥ धनका
 मसनवीनसनदनदुहाय ॥ ॥ का ॥ रुकिजारावीनसननेवातगीयूनीया
 नाजाउप्ररुयाकन्याचनुकलायास्ययवनयानकनन जिमिडाडाडाव
 नजनेनूया ॥ ॥ वीवी ॥ रुदरुकामसनत्रव वंशमानतखजविष्काहुने ॥ ॥ का ॥ वी
 रुवकुमारजियनिवंपावगीयूनीस उप्रदरुनाजकन्याचनुकलायास्ययवनस्य
 लजने ॥ ॥ की ॥ रुपूउ कामसनवीनसनमकीकाटवानादिसेन्यजाडाडाहुनि ॥
 ॥ की ॥ रुमकीकाटवानसावधनरुसनाजकुमानयनिस उनायहुनि ॥ ॥

॥ का. हमसु नाजकीलि चतु श्रवण आशुपमान ॥ ॥ सधे ॥ हमसु नाजमह
नासीकलयालयावनससजिवनिसपुत्तम ॥ ॥ दो. हाकिगाहवीनसननीति
सागनमकीनिपुत्तवधुनकाटवानाजामिमीसवंवावनीयूनीसस्वरयम्वन
धवलजननूया ॥ ॥ दो. म. का. हमसु नाजकमानकामसन श्रवण विष्काहने ॥ ॥
पतकामरीनादिडीनस्मान ॥ ॥ नागकाला ॥ दो. ॥ नूयाकिजा वंयाव
नीयूनीसडाडा ॥ स्वयंवन ध्वय श्रननसनदडाडा ॥ जयवन काठानव
डावध्वधमाडा ॥ कनमसइझसनलिठधनलाडा ॥ ॥ मेयू ॥ ॥ पकू

तासाई ॥ द्वि ॥ सर्व ॥ हनाजकमानननानविष्ठाकृत ॥ ॥ का ॥ हकिज
 हवीनसननीतिसागननिपूखलुनकाटवानत्रवक्ष्यजननूया ॥ ॥
 कीली ॥ हयावपियानीसखवगीधर्मवगीच्छयनिसचयसीन्दर्यगुमरव
 दाउजिमनत्रगीर्वचलशलीजिनखत्रुलिहारायदंढी ॥ ॥ सच ॥ हयाव
 नाथत्रमथयिनयरावनामालमषूजपनिच्छलपातसत्रधीन ॥ ॥ नाजाकिदा
 हा ॥ ॥ सुन्दनीच्छनखालकमलखदाउमनरुमनडिहलवैवतत्रुडान
 सिकनरुसरुनिसखजिहिली ॥ ॥ त्रधनत्रमननसविस्थिनयाज ॥

च.दि.
2

जययुकाशनह्नाय॥ देवीरुयानीरिठुवननाली॥ रगतसच्छिच्छस
हाया॥ ॥मयूर॥ ॥धनचतुष्टयमयमकिंकलयुवग॥ ॥नागपहनि
यामस्ता॥ पनिमानवाका॥ यमयाकिंकलयनिनीगमिसुथनिह्रनष
नशलयनवग॥ मिसकलदसेखकमानयमयाकथकविकटलयानक
रुग॥ मिखाश्रुतिनगललगतनिप्रसरवलगतभीकनजालकदा
ल॥ जतिनगसादायुवतनदाश्रुतगतजसल॥ हययदमकुलायखाल
॥कमूदिनीसुतनन॥ यतिदकासदवन॥ जययनकाशनह्नाक॥ यादि
प्रजनसह॥ विययागश्रुतिनस॥ मेवमइधनिवललाका॥ मयूर॥

च.दि.
२

व॥ हयासापचतुधनखविविधमयायनूया॥ ॥प॥ हयासावदुदजिउ
विधमया॥ ॥विधम॥ ॥व॥ हयासापचतुजिनपजमहिमाह्नाय
दहा॥ ॥प॥ हयासावदुचनह्ना॥ ॥वदु॥ ॥मेक॥ ॥नकवापीयनिनि
त्यनि॥ नानाविधीनजिनसास्त्रियादा॥ लोकेजिचूर्यवयदूमइसू॥ ॥जा
धीश्रीकिंकलमूखावदु॥ हयासापचतुधधिंक्रनगीकीधीरयक
लयमकिंकलयानायकवदुनामजी॥ ॥प॥ हयासावदुचनसखर्वह्ना
का॥ ॥प॥ हयासावदुजिनपजमहिमाह्नायदुनदेहा॥ ॥व॥ हयासा
पचतुचनह्ना॥ ॥पचतु॥ ॥मेक॥ ॥वापीयनीजिननकसूच

क. १५
४

नया ॥ निखैविमसास्ति ननकनरुना ॥ कोधीशुमानी नृनिनंरु
यानकै ॥ पुचहुनामयमयाकिंकल ॥ ४ ॥ हयासाचहुथधिंक्रनृनी
शुमानीरुयानकयमकिंकलघानायकपुचहुनामजी ॥ ॥ व. ह. पा
सापुचहुकनखडा (प. ह. फ. ॥ ॥ व. ह. पासापुचहु नृजामिमिसव
मनाजायाधमसजनेनूया ॥ ॥ य. ह. पासालहुदडाजखडा ननूया ॥
॥ ॥ ह. पासावहुननानेडाननूया ॥ ॥ व. ह. पासापुचहुदडाजख
डाननूया ॥ ॥ किंकलयानिस्मान ॥ ॥ नागनाजविहय ॥ वी ॥ डाननू

क. १६
५

यायासाधनि नापलायथडा धनियामपूनीनसनडाडा ॥ थडाथडाका
नरस विननयमइरुस विलम्हमयायहिदना ॥ धनियाहइलुज
नेशजगज ॥ जगतविदिगजसि ॥ याजनीतिसनसि ॥ जययनकाठाने
काल ॥ धनियाववनदेसे ॥ सेवकनधनिहने ॥ हइलसथमवीनेमा
ल ॥ मपू ३ ॥ ॥ ल. ॥ ॥ धनकीलि ॥ जादियनिके ३ ॥ ॥ कीरिवड ॥
हयासपियानीसखवगीधर्मवती ॥ आशकामसनादिनाजकुमानयासमावा
लदडाजवाने ॥ ॥ नानी ॥ हयासनाथश्रवधनेसमावालदडाजविकर
ने ॥ ॥ की ॥ हयासपियानीसखवगीधर्मवती ॥ आशमिमिससरागहसज

श्री हृषीकेश वीनधर जगन्नाथदासदासदा ॥ ॥ श्री हृषीकेश वीनधर
 गुल्लिहृष्टान्नाथिन के श्रावणाननेन्दुहनुमानयायुधमनीयासिद्धिदा न
 ॥ ॥ श्री हृषीकेश वीनधर जगन्नाथ ॥ ॥ श्री हृषीकेश वीनधर जगन्नाथ
 सचनसिद्धिगुणम ॥ ॥ हृषीकेश वीनधर जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ सचनसिद्धिगुणम
 धूरशरमाल ॥ ॥ श्री वीनधर ॥ ॥ श्री हृषीकेश वीनधर जगन्नाथ गुल्लिहृष्टान्नाथ
 धानसंविष्टा न ॥ ॥ हृषीकेश वीनधर जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ ॥ ॥ धनहनु
 मानादिसिद्धिगुणम ॥ ॥ धनवीनधर जगन्नाथ ॥ ॥ हृषीकेश वीनधर

व.दि.

८

हृषीकेश वीनधर जगन्नाथ विष्टा न ॥ ॥ श्री हृषीकेश वीनधर
 नधर जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ कटवान्नाथिन के श्रावणाननेन्दुहनुमानयायुधमनीयासिद्धिदा न
 हाडानमालधर जगन्नाथ विष्टा न ॥ ॥ श्री हृषीकेश वीनधर जगन्नाथ गुल्लिहृष्टान्नाथ
 जायागयनमीधर जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ
 धविले हनुमान जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ
 धनजायागयनमीधर जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ
 लतनीजी इत्यनस्नानयायधर जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ
 निष्ठायागयनमीधर जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ वीनधर जगन्नाथ

व.दि.

९

व.दि.
१०

डाजीगीतनाडाहलं ॥ गुं सजायाथ सरुनूमाननापलादाडा विनगीया
डाजास्थालया कृपानकुलयालदहीनलायदगं थ श्रद्धा मसरुनूमान
यास्कनकुंरुयमइधूका ॥ ॥ श्री. हृ. पू. वी. न. ध. ज. मि. मि. स. क. म. यो. रु. न.
न. ध. धि. द. श्र. व. स्फ. श. स. श्रा. य. न. म. श्र. व. न. य. कृ. प. न. कु. न. र. वा. ल. ध. व. य. धू. ना.
श्रा. य. न. श्र. व. न. ह. नू. मान. या. स. वा. या. दा. डा. ध. न. वी. न. श्रा. य. जि. न. ह. नू. मान. या.
क. वि. न. ति. या. दा. डा. कु. न. ध. न. धि. घा. स. न. क. ॥ ॥ वी. ह. मा. श. शी. ल. व. वी. ह.
मा. स. वा. स. म. न. य. न. म. श्र. व. न. न. मि. मि. स. उ. ड. ल. या. यि. डा. थू. का. श्र. व. ध. वि.
वि. का. य.

व.दि.
११

नगीयास विष्काहन ॥ ॥ थनगीलवतीनधीनधजजाडाडा हनूमानयाक
विनगीयाय ॥ ॥ श्री. ह. वान. न. दु. रु. नू. मान. थ. शी. पू. वी. न. ध. ज. या. न. ध. न.
धि. घा. उ. य. द. श. वि. स. वि. का. य. मा. ल. ॥ ॥ थनहनूमानदन ॥ ॥ हनू. ह. ना. ज.
व. ली. गी. ल. व. गी. श्र. व. ध. जि. न. ध. नू. धि. घा. उ. य. द. श. वि. या. ॥ ॥ श्री. ह. वान. न.
दु. रु. नू. मान. कु. ल. या. ल. स. न. द. या. न. स. वि. का. य. मा. ल. ॥ ॥ वी. ल. व. गी. वि. धु. म.
॥ ॥ थनहनूमाननउयदशविश्रयाडा ॥ ॥ ह. ह. ना. ज. क. मान. वी. न.
ध. ज. श्रा. य. जि. न. म. नु. उ. य. द. श. वि. या. ॥ ॥ वी. ह. वान. न. दु. ह. नू. मान. श्र. व.

च. १५
१२

ॐ ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धनमस्तु विद्यया ॥ ॥ ह्रीं नमो भगवते
नवीनधनमस्तु या पुत्रावनसर्वगुणयशसि ॥ ॥ वी. ह्रीं नमो भगवते
ह्रीं नमो भगवते कुलपालसचननससाक्षांगपुष्पम ॥ ॥ ह्रीं नमो भगवते
नवीनधनमस्तु धनवृद्धिदानकांक्षाशानधनवृद्धिदानम ॥ ॥ वी. ह्रीं नमो भगवते
ननु ह्रीं नमो भगवते वृद्धि कुलपालसकृपा ॥ ॥ धनवलासेन विनय ॥ ॥
वलासेन म ॥ ॥ नागमात्रवना ॥ ॥ वा ॥ विनय समनमिरवाधीननग
याज वृत्तु ह्रीं नमो वलाक्षाय वलनगदा ॥ ॥ ह्रीं नमो भगवते

च. १५
१३

हिया ॥ मनवदाशुभजनदकागुवाला ॥ मय ॥ ह्रीं नमो भगवते
मानवीनधनमस्तु गुलिपुका नवश्रवणमयाजधनवृद्धिदानमनियवृद्धि
नशातसुंदरियामधुधनवृद्धि ॥ ॥ वी. ह्रीं नमो भगवते ननु ह्रीं नमो भगवते
लपालसचननसजीयुष्मम ॥ ॥ ह्रीं नमो भगवते लीलावती ॥ ॥
धनलीलावतीदन ॥ ॥ ह्रीं नमो भगवते लीलावती कुलपालसवृग
वीनधनधनवृद्धिदानमनियूनशला ॥ ॥ वी. ह्रीं नमो भगवते ननु ह्रीं नमो भगवते
पालसकृपा ॥ ॥ ह्रीं नमो भगवते लीलावती नाजकमानवीनधन

व. ५
१५

कथका पानक्यां रुयमइ जियभाम ॥ ॥ गील रुयवीनधउ नवग्य नरु
लइनि विरमयाकाउवानमन ॥ ॥ यनगीलवगी विभाम ॥ ॥ वीनरु
मलियुवृद्धिकन नराअमिमीसवनाननस नरुलउानन्या ॥ ॥ वृद्धि
कहनाउकुमानवीनधउ नवग्य विष्ठाइन ॥ ॥ यनवीनधउ वृद्धिकन
निर्झ नरुलअंम निष्ठा ॥ ॥ नाग नरासावनी ॥ वा ॥ यनवनमनमइ न
आयासा नराअ ननकमनयाइ ख नरुल स द्वा नाउ ॥ नउायासा ॥ ॥ ॥
सूमनि नृपति जयय कामनयाअ यअमन धिनयाय था मनालनाउा

व. ५
१७

॥ यकैलासा दथयाउलिं ॥ ॥ द्विक ॥ वृद्धिक रुनाउकुमानवीन
धउ ननाने विष्ठाइन ॥ ॥ वीनरु मलियुवृद्धिकन नवग्य उानेन
या ॥ ॥ रुन रुनाउपली गीलवगी यात्रकम यिंगकग नराअ नरुल
कनसउाकाउ विभामयाकाउवान ॥ ॥ गीलवयादि सर्व रुवानननु
रुनमान नवग्य ॥ ॥ यनरुनमानादि सर्व परिनिधि ॥ सिमा पर्वन सि
काय ॥ ॥ लू ३ ॥ ॥ वीनधउ मलियुवृद्धिकन नरुलउाअ दउा लंड ॥ ॥
दथस ॥ वीनरु यासा वृद्धिकन यनवनया सा लसा याअ खवि विभाम

च नंद

१८

यादाउवा न ॥ ॥ मलिहना जकुमान वीन धज नरवग्धविशमयासवि
अरुन ॥ ॥ विष्णुम ॥ ॥ वीनरुपासावृद्धिकन नरुल्यायनि सतनि
अ ॥ ॥ मलिहना जकुमान वीन धज नरवग्धजिन सतनाडा हय ॥ ॥
थनमलिदन कुराय ॥ ॥ मलिहना अजिन नरुल्याय ज्ञायनि सत
नाडा हय ॥ ॥ थनमलिका निर्यर्ज जडा कुनगा ॥ ॥ मलिहय जा
लाकपनि नरुल्या सा मा जडा न नान थन आय मा ल महना ज्ञा या
नराहा ॥ ॥ मलिथन विशम ॥ ॥ थनपज्ञायनि खिवा डाडा दडा ले

च नंद

१९

इ ॥ ॥ यजाहमलिराह सवाक्का जनदयका ॥ ॥ मलिहय जाला
कपनि ना जकुमान नरुल्या अगथक विष्णु ना जकुमान या पस ज्ञान
नूया ॥ ॥ यनजाहमलिराह दजा अख मासने ॥ ॥ दथस ॥ मलिह
ना जकुमान यनजाला कपनि था काडा हय थूमा ॥ ॥ वीनरुपासावृ
द्धिकन थन आय अवादा ॥ ॥ मलिहना जकुमान नरवग्ध ॥ ॥ यनजा
हमहावा जसवा ॥ ॥ मलिहयन जाला कपनि थन आय अवादा ॥ ॥
यनजाहमलिराह दजा अख ॥ यनजा विशम ॥ ॥ मलिह नरुल्या यजा

२०
 पनि॥ ॥ धनयनजायनिदन॥ ॥ मलिहृत्तरुल्यायनजायनिहृत्तरुल्याय
 नजायमात्रुलियाज, थरुवकाज॥ ॥ यनजाहमलिलारुदकीज
 रव॥ ॥ धनयनजायनिहृत्तरुल्यायनमात्रुका॥ ॥ यन, हमलिलारुद
 यप्रजा मालकायना॥ महनाजाविश्वतकिज॥ ॥ मलिहृत्तरुल्यायनजायनिहृत्तरुल्याय
 मजिनविश्वतक॥ ॥ धनमलिदन॥ ॥ हनाजकुमानवीनधज॥ ॥
 ॥ धनधजदन॥ ॥ मली, हनाजकुमान, नरुत्तरुल्यायन, नयाहृत्तरुल्यायनिहृत्तरुल्याय
 ॥ ॥ धन, हयासावृद्धिकन, नरुत्तरुल्याय॥ ॥ धनहयासावृद्धिकन, निसीस

२९
 न, थवनस, लप्लपस्यपनजायनिगयाज, नरुत्तरुल्याय॥ ॥ मलिहृत्तरुल्याय
 याजकुमानवीनधज, नरुत्तरुल्यायविश्वतक॥ ॥ धननरुत्तरुल्याय
 म॥ नागस्रनंग॥ ॥ यन॥ लेंप्लेंप्यपदनुज, नरुत्तरुल्यायनिगयाज, निगलथसखा
 रुदावृत्तालाया॥ नृपयनजयपनकाशनहल, पिदिगसजालनयवागद
 यमात॥ ॥ म॥ ॥ धनधृवलाजज, नागमलीवतानद्वयकयद॥ ॥ पुजान
 सयमातलाजलास॥ ॥ हकिजायपसिदमहनाजावनानद्वयकयनाधनह्य
 नमदसाहलजानन्या॥ ॥ हदाहधमसिददजिगमाताजस्थवनया॥ ॥

विन उमान नागामा लेखक उरु द डाल ॥ ॥ सु ५५ ॥ ॥ थन त्वा म मा द धृति ग
 य ॥ ॥ वल क ला दि डा ड नू न्ना ले ये सा न ॥ ना ग मा ले वा ॥ न ॥ ध नि त ले व र ह
 न नू ग त स वे द न म रु ला या पू न ध जि त्रा स ॥ उ ले ड ले म दू क न क्रे गी वा न
 म रू थ न उ मा न स डी ने दू क थ स ॥ ग ले स र्वा ह य ड उ ला स ॥ ५५ ॥ द धा न
 क्रि म र्वा ध नि वि वे क ड न या म गी ॥ ह्ना क प्र धी ज य प न का ॥ द यि व या द या
 द नि ध म या य ड न न नि म ला य म वा ड ख ड थ स ॥ ५६ ॥ ॥ मी प र ॥ ॥
 व क ॥ च ॥ ह स र्वा वि उ ले खान त्र ले खान नू ग त म द्वा ड उ य व न या स र
 सा त ड न नू या ॥ ॥ स ॥ ह थ कू नी व लु क ला नू व ध वि ज्ञा ड न ॥ ॥ वि ॥ स ॥ ह थ

कू ना नी व लु क ला न ना न वि ज्ञा ड न ॥ ॥ च ॥ ह स र्वा वि उ ले खान त्र ले खान
 नू व ध ज न नू या ॥ ॥ ५७ स ॥ ॥ व लु ॥ ह स र्वा वि उ ले खान त्र ले खान नू ग त
 उ य व न स च ना थ न त्व वि वि ड म या डा ड उ य व न या ॥ म ला ध य या ड वा
 न ॥ ॥ स ॥ ह थ कू ना नी व लु क ला नू व ध वि ड म या स वि ज्ञा ड न ॥ ॥ वि
 ध म ॥ ॥ व ॥ ह स र्वा वि उ ले खान त्र ले खान नू ग त स मा स त्ता न या प र
 न या स या डा ड ह य कि ड ॥ ॥ स ॥ ह थ कू ना नी व लु क ला नू व ध ॥ ॥
 थ न स मा त या सा मा ह य कू ॥ वि ॥ न ॥ ह थ ना नी व लु क ला थ स मा स या स

व. १५

२४

माकासविष्काहन ॥ ॥ व ॥ हसस्वीविठुनस्वाननत्तस्वयात्रवम् ॥ ॥ व ॥ हसस्वी
 विठुलेस्वाननत्तस्वयात्राणिमिषेनसमात्तस्वानयादाडास्वाननथयाणवनीविहात
 याया ॥ ॥ स ॥ हथकूनागीचरुकलात्रवम्समात्तयासविष्काहन ॥ ॥ थनवल्
 कलादियासमानस्वाननवनविहातमा ॥ ॥ नागगातिवा ॥ हसस्वीथनमननस
 नददाडा ॥ ॥ ॥ ति ॥ न ॥ हि ॥ न ॥ ल ॥ द ॥ ना ॥ य ॥ न ॥ सि ॥ क ॥ नी ॥ ध ॥ चि ॥ स्त ॥ व ॥ य ॥ वि ॥ क ॥ न ॥ स ॥ स ॥ र ॥
 व ॥ त ॥ या ॥ डा ॥ ॥ म ॥ न ॥ ति ॥ न ॥ स ॥ या ॥ य ॥ स ॥ वा ॥ न ॥ थ ॥ म ॥ थ ॥ डा ॥ प्र ॥ स ॥ न ॥ सा ॥ क ॥ का ॥ त ॥ न ॥ व ॥ ॥ म ॥
 ल ॥ द ॥ य ॥ य ॥ व ॥ ल ॥ सि ॥ स ॥ ल ॥ व ॥ हि ॥ द ॥ थ ॥ गु ॥ ति ॥ स ॥ ल ॥ व ॥ न ॥ हा ॥ ता ॥ डा ॥ प्र ॥ ग ॥ त्रा ॥ डा ॥ य ॥ डा ॥ प्र ॥

व. १६

२५

समप्रपियमवनसिलाडावियडासगनतियफ्रद्रयाडा ॥ ॥ अनेकतिसाननि
 यानसाकस्वाननद्रयसंयाससयालयादाडा ॥ ॥ थयथमद्रसकनति
 यहिदसिंवननलायकमोहनिगयाडा ॥ ॥ सनसवनसधनमनसद
 नवनप्रगसद्विथयनद्रुलाडा ॥ ॥ अनेगसिवालजासअधिकका
 किलहासवसगाससिमासेरुदाडा ॥ ॥ सेवनिर्ववतिवेलिक्तदिद
 यकगुलिजितस्वानहाडाइवदाडा ॥ ॥ गुगेलपद्रुलउलनसनरुमल
 हासधिधिप्रसगतमरुत्राडा ॥ ॥ दयालुद्विमियाधनिस्त्रुगद्रुलया

मनी जयपु काष्ठानपूतिमज ॥ स्नानयागुतिगुहा गलशगनसगुवा न
 नस नानन्दयमलाज ॥ ॥ मयू ॥ ॥ यन् हसखि विग्नयखा नलन
 खा नरा अथन स्नानरुकाज विग्नमयाकाज योन ॥ ॥ विग्न नल रुथ
 क्ली यन् कला नरवग्ध स्नानरुकाज विग्नान ॥ ॥ विग्नम ॥ ॥ य
 ननिय स्नानरुनेराज ॥ ॥ यनदीनचज मनी चना लिखुअज यना
 विग्नअह सायथिथिं रवं नाधीपनिद्वख लखायाअ योन नाजामनि
 कुराय रुथ रवं ॥ ॥ वीन रुपासाद्विकेन यन नरनि रुन्दरी मिसा

जनयानि वादख नइ सुशरख सङ्क नरनअकाज रुकाज साज ॥ ॥ म
 लिहनाजकुमान वीनचज नरवग्ध जिअकाज खय ॥ ॥ यननाजा नरन्दा
 लं विग्नम ॥ ॥ यन् हसखि विग्नयखा नलनखा यन नरपूर्वसुन्दन
 कामदवसमान पुन्य अज खनइ यक्ररुलख सङ्कपनिभन विचार
 याज ॥ ॥ विग्न नल रुथ क्ली यन् कला नरवग्ध नजियनिभन विचार
 याकाज साय कलपाल यन विग्नान ॥ ॥ यन् हसखि विग्नयखा न
 लनखा नरवग्ध ॥ ॥ यन यन् कला नरन्दा लं विग्नम ॥ ॥ यन मनी वा अ

च. १५
२६

काञ्च. सखियनिष्कन्दन ॥ ॥ मन्त्रि. रुसुन्दरीलीलाकपनि कृपनिरुग
नेजया. धनकायकाका ॥ ॥ विज. तत्. रुमहायूष. र्वयावनीन
गनीया. नाजावक्रदहयाकन्या. वलकलानाम. उयासखिदियनि
विज. वखा. तत्. वखा. नाम. धनवनविहालयागविज्ञान. नरभा. नरनि
सुन्दनयूष. ग्वक्रशत. छि. कल. धनकाय. माया. क्रियनि. कर्म. माल
॥ ॥ मन्त्रि. रु. विज. वखा. तत्. वखा. तत्. यनीया. नाजा. सत्यध्वज. या. य
श. वी. वध्वज. नाम. नर. हलया. का. थ. स. व. नान. रु. यका. अ. धन. रु. ॥ ॥

च. १५
२६

विज. तत्. रुमहायूष. यदृष्टक. क्रियनि. सन. ध. कृ. नीया. न. कन. ॥ ॥
मन्त्रि. रु. विज. वखा. तत्. वखा. ध. यु. लि. दृ. ह. क. क्रि. न. ना. क. क. मा. न. या. न.
कन. ॥ ॥ सखि. ना. ली. या. थ. स. उ. न. मन्त्रि. ना. जा. या. थ. स. उ. न. ॥ ॥
मन्त्रि. रु. ना. क. क. मा. न. वी. न. ध. ज. र्व. या. व. नी. या. ना. जा. व. क्र. द. ह. या. क. न्या.
वलकलानाम. उ. य. व. न. स. वि. हा. ल. या. ग. ज. ल. छ. ल. या. ल. स. दृ. ह. क. क्रि. न. क.
न. य. ना. ॥ ॥ वी. न. रु. या. सा. य. द्वि. क. न. ध. क. न्या. ख. दा. अ. जि. म. न. न. र. नि. म.
ग्य. रु. ला. जि. अ. ह. न. क. या. न. क. न. ज. ल. या. अ. ॥ ॥ मन्त्रि. रु. ना. क. क. मा. न.

च. १५
३०

वीनध्वज, नरवर्धनजिनजलनि यादवशस्त्रया॥ ॥ धनसखिपनि सनत
लोयाकषाय॥ ॥ विज, नल, रुथकुनी वलुकला, थयनि वलपूनी या नोज
सखध्वज या फु वीनध्वजनाम, नरुलया या फास, वलान इयका उथन
रुलधक जियनि कने, कलया लया वलान जियनि सन कनधना॥ ॥
वल, रुसखि विज थखा, नलनखा, थसुनन पुन वलका उ, जिमन न
निभा रुल, थनगय जलयाय॥ ॥ विज, नल, रुथकुनी वलुक
ला, नअवठ ना जाया क्का य रुया उ, थथरुगा रुया स विष्णय काण

च. १५
३१

मष॥ ॥ धनमलिवा जया उ, सखीपनि सलन॥ ॥ मलि, रुविज
नखा, नलनखा, नभाकपनि स, थकुनी उ, नाडकुमान उ, लानकया
न, रुउनियो उ॥ ॥ विज, नल, रुमहा पुन व, जियनि सन, थकुनी
वृमय यागका उखया॥ ॥ मलिन ना जाया ग लि सलकने॥ ॥
मलि, रुनाड कुमान वीनध्वज, वधु माम इ क कन्याया थ उ वृसिम इ
यक वान॥ ॥ वीन, रुपासा वृद्धि कल, नराजिन थमने वृमय
यागक॥ ॥ धनसखीपनि सन, नावीया कषाय॥ ॥ विज, नल,

हयकुली वलकला वकुमा इ इ कक न्या प्रवय नि वा कथा सु वा
 नजा (म) मष ॥ ॥ वलु ह सुखी किउ नखा नल नखा, नरा ज सिमी सु
 न. छुं डी दाउा. वृजय याय ॥ ॥ धनवी नध इद दाउा. दाहा पत्रय ॥ ५
 दाहा ॥ ॥ सुन्दरी किम नरति भार्या वग इल. छन सुन्दन नय रव
 दाउा. गच व विवाह विविधाउा. धन हन वन क स डि व वन छन
 नराउा ॥ ॥ वलकलाया दाहा ॥ ॥ सुन्दन छि का मउ नि. रव दाउा
 निरग वन. हाहा याथ इल गाउा. कर्न चिग कर्म धन. गथ याय कि

न. धमकुल वच इ सु मष नराउा ॥ ॥ वीन ध जया दाहा ॥ ॥ प्रवक
 नम हल व न का थ धन इल. सिमि नि क सद का नाउा ॥ ॥ नू चित
 इय वक. दामन नु मा लया य सुत न इ सु ति छ न दाउा ॥ ॥ ना ला
 या दाहा ॥ ॥ स्वयं वन इय न न नू न ग न य ति ग न डी य डी क न स
 नू दाउा ॥ ॥ वि वि ना न म व कि न व न या य म र्थ धम. नू न धा दा सु ग
 थ र्व नाउा ॥ ॥ वलु ह म हा गाउा. स्वयं वन स वि छा इ न. नू व न्ध नै डि
 न छ लया ल व न य याय. ध व वन स ल दाहा ॥ ॥ वीन. ह ना ड क न्या

को १५
३४

यलुकला, पञ्चासखधर्म, पमन न काया ज जिअन ॥ ॥ वीन वध डन
मलि सुत ना ज हाय ॥ ॥ वीन, हया सा वृद्धि कल, नरा ज ना ज क न्या या
वव पं, स्वयं वन रुय ज या स ज दा ज वा न न्या ॥ ॥ मलि, रुना रु
कुमान न व ग्य विष्वा रुन ॥ ॥ धन वीन वध ड मली जं मि पं पि ॥
यकुं रा सा ड ॥ ॥ द्विक्, मलि, रुना रु कुमान न नान विष्वा रु
न ॥ वीन, हया सा वृद्धि कल न रम्भ ॥ ॥ वलु रु सखी विरु लखा न ल
लखा, नरा ज मि मि स थ ज श्व रु ज न न्या ॥ ॥ विरु न ल, रु थ कु ना ती

च १५
३४

यलुकला, न व ग्य विष्वा रुन ॥ ॥ धन यलुकला दि थ ज श्व अं नि
सा न र्भ ॥ ॥ ना ग क दा ना ॥ या ॥ न ज स खि न ग व न रा लया
थ रुय गन, रुन व न थ ज श्व स नरा ज, अदा श जि यान न न सूप न र्भ
खदा थ न, ज ग न न म ला य म वा ज ॥ ॥ स खि थू उ लि खं रु प ग नि या ज ॥
॥ ॥ दया लु छि मि या ध नि य उ व ज न या म मि, जय प व का ग न हा य
रु अ थ म वि वा व न, ध न ज न स ख थ न, प्र न य या प श्व न ला थ ॥ ॥
म प ॥ ॥ यकुं न रा सा ड ॥ ॥ द्विक् ॥ विरु न ल, रु थ कु ना ती

धर्म

३५

लीयलुकला ननाने विश्वाहन ॥ ॥ चतुहसखी चित्तलखावल
लखा नरवग्यजननया ॥ ॥ स्नानमा पृथुनिलिकाय ॥ ॥ लुड
॥ ॥ धनउक्रदलादि सरागृह उदयभाजम ॥ ॥ नाग, यह
जिया ॥ ख ॥ ज्ञानधनिसुन्दरी सरागृह नराज याय ननसाहुति
निमिसिसमडाज ॥ जययकागन ह्लासमननहियाज, लिहमलिह
समगयाय लिहगाज ॥ भय ॥ ॥ यकृद, उक्रद, यप्राव
गी, नलावगी नरादिलाकपनि, नराजमिस सरागृह जननया ॥

धर्म

३६

॥ सर्व, हमहाना उक्रदल नरवग्यविश्वाहन ॥ ॥ द्विकृ ॥
॥ सर्व, हमहाना उक्रदल ननाने विश्वाहन ॥ ॥ उक्रद, यप्रा
वगी, नलावगी, नरादिलाकपनि, नरवग्यजननया ॥ ॥ दयस ॥
॥ उक्रद, यप्रावगी, नलावगी नरादिलाकपनि, सरागृह (यम
नराजधन नन नन्दनखचि विश्वाभयाय ॥ ॥ सर्व, हमहाना उ
क्रदल, नरवग्यविश्वाभयासविश्वाहन ॥ ॥ विश्वाभ ॥ ॥ धन
चतुलादि अजानिपड ॥ ॥ उक्रद ॥ द्विकृदला साक्षायायउति

॥ दयसु ॥ ॥ चलकलादि रुवकुमाइ कुलपालसचवधसजि
 यधम ॥ ॥ वक्रयप्रा रुपुजीवलकलाथनअयाउयादा ॥ ॥ चल
 कला रुवकुमाइ नरवग्ग ॥ ॥ चलकलादि विअम ॥ ॥ थनवक्रदह
 नाझादकाउा इहाय ॥ ॥ वक्र रुपयप्रावगी नलावगी सुनिमिमकी
 ॥ ॥ थनपद्रावगी नलावगी मली दकाउा इहाय ॥ ॥ वक्र रुपय
 वगी नलावगी सुनिमिमकी पूजीवलकलाया खयववयागकलाल
 पा सा मा गाल लागकः दम दम या नाजा पनि वोनकछा यमालः

जिअलामजिअला गथयायमाल ॥ ॥ पद्रा नला सुनि रुमहान
 इ नरवग्ग खयववयागक माल थकार्यलिं ॥ ॥ वक्र रुकाटवान
 वूनकदमदगी या नाजा अक्रनादियनि वूनननानवादाउा इहायमाल ॥ ॥
 का ॥ रुमहानाज रुवग्गजिअन कुलपालसचवधसजिउधम ॥ ॥ ज
 णमहानाजया आरान कलुन वूनउरुयनीनगनी ॥ ॥ वक्र वूनदवनगन
 या नाजा पनि जिनयादाउा इहाय ॥ ॥ थनकाटवानदउालयि ॥ ॥ थन वूनसन
 कामसन वलसन वीनसन नानद मूली काटवानउाताय ॥ ॥ वक्र ॥ क

च. १५
४०

ह नानद पर्वन मूनी ग्यन वरु सन वरु सन काम सन वीन सन उ प्र द ह
ना जाया क न्या वरु क लाया व्यय म्य न यात के धं स वृत्त याल पानि स
क ले द मूढा ड विष्णु य मात ध क जि न विन ति यात ड या अ न विष्णु ह
न ॥ ॥ ना न द दि स र्व ह का ट वा न जि य निं श्र न ज न ध क ड या त्र व
व्य ड नि नू या ॥ ॥ द्वि ह का ट वा न न ना न ड नि नू या ॥ ॥ का ह ना
न द प र्व न मू नी ग्य न वरु सन वरु सन काम सन की न सन त्र व ग वि
का ह ने ॥ ॥ ह का ट वा न त्र व ग वि न नू या ॥ ॥ द प स ॥ ॥ का ह

च. १५
४१

महा ना ज वृत्त याल स व न स जि पु म म ॥ ॥ ह म हा ना ज वृत्त याल स त्र
का र्थ ना न द मू नी ग्य न प र्व न मू नी ग्य न वरु सन वरु सन काम सन वी
न स ना दि ना जा य नि प न विष्णु क ध ना ॥ ॥ उ क द क दि द न ॥ ॥ उ क द
का दि स र्व ह ना न द मू नी ग्य न प र्व न मू नी ग्य न वरु सन याल स व न म स जि
प नि स पु म म ॥ ॥ ना न दि न श नी वी दि वि या ॥ ॥ अ क ध म न य न जा
या या स न का वि वे क उ ति व स स्य स नी निं ग क ना ग या स ह स थ म त्र
नि दा ना या स य मा दि क र्म य म वा द ह स ना जा पु न पि स र्व दा द्वि ॥ ॥

च. १५

४९

हम हा नाज उक्त दह कल वालर स पक्ष मंगल हय मात ॥ १७ ॥ हनु-दिन
नमूनी ठवन, यरु लि शान स विष्णु मया से विष्णु दू म ॥ ॥ नाय हम हा नाज
उक्त उव दह ॥ ॥ नान दय वृत्त मनी ~~च~~ उव विष्णु म ॥ ॥ ३ ॥ हम हा ना
ज ०० नु सेन व नु सेन का म से न वीन सेन, विष्णु यध नो ला कृत पा ल पति
कृष्ण कृष्ण म ग पत्र ग मालिका गाय ॥ ॥ ३ ॥ हनु नु सेन व नु सेन का म से
न वीन सेन म हा नाज यरु लि शान स विष्णु मया से विष्णु दू ने ॥ ॥
०० नु सेनादि, हम हा नाज उव दह ॥ ॥ यन ०० नु सेनादि दू र्य स विष्णु

च. १६

४९

मा ॥ ॥ यन वान ध उ म कु ड ज म ॥ ॥ नाम हा धि ॥ वा ॥ नू या वा सा ह न ०० व री व न
०० व य नू न, जै वा व नी पू नी स सैं ज डा ज ॥ नू न ग द ग द शान ॥ मू हा ज नू व ति
ग म, ज मि ज ख न स न द डा ज ॥ ज न नू या वा सा ध नि रु न त्व ह गा ज ॥ ॥
कू मू दि नी दे वी स न, ना ज नी ति स न न, ज य य न का ग न कू य ॥ ए ग य
इ कू य नू य न, दे व स उ सा द न, नि नि ज न ग न थ न ला य ॥ ॥ मे य १३ ॥
उ कू वी, ह या सा वृ द्धि क न जै वा व नी पू नी स ज डा ज ०० व री व न सौ ल ज न नू या ॥
म हा ना ज कू मा न वी न ध ज उ व द ह विष्णु दू ने ॥ ॥ वि. म. ह ना ज

च. १५
४४

कुमानवीनधजवननानेविष्काहन॥ ॥ वीरहवासवृद्धिकलत्रवध
जिननया॥ ॥ म. ह. म. ह. नाजउमदरुद्रुलप्रासुवनवासुजिपुष्पम॥ ॥
थनउमदरुमकीदन॥ ॥ म. ह. नाजकुमानकुलप्रासुवनवासुजिपुष्पम
॥ ॥ ॥ ॥ ह. नाजकुमानवीनधजविष्कायधूनालाकुशलकुंम^{रुजली}रंगमालि
कायाय॥ ॥ वी. ह. म. ह. नाजउमदरुद्रुलप्रासुवनवासुजिपुष्पम
मालिकायासुविष्काहन॥ ॥ थनउमदरुवीनधजविष्कायधूनालाकुशलकुंम
रंगमालिकायाय॥ ॥ ॥ ॥ ह. नाजकुमानवीनधजधूलिअसनसविष्ममसासुविष्काहन॥ ॥ थनव

च. १५
४५

नमकीकुलसविष्मम॥ ॥ ॥ ॥ ह. म. ह. नाजउमदरुद्रुलप्रासुवनवासुजिपुष्पम
काउहिज॥ ॥ म. ह. म. ह. नाजउमदरुद्रुलप्रासुवनवासुजिपुष्पम
मादयकु॥ ॥ म. ह. म. ह. नाजउमदरुद्रुलप्रासुवनवासुजिपुष्पम
सुविष्काहन॥ ॥ ॥ ॥ ह. म. ह. नाजउमदरुद्रुलप्रासुवनवासुजिपुष्पम
वर्धनायादाउवदुकलायातनाजायनिकहा॥ ॥ ॥ ॥ ह. म. ह. नाजउमदरुद्रुलप्रासुवनवासुजि
नतर्नायादाउपुर्कनावादाउकन॥ ॥ ॥ ॥ थननानदयधूमनीधवननि
कुसमाकलरवालहयाजवाढलकाउसरासलीटयनिसनसायसुनि

निर्मधिधिंसायाउ काक्य दासवनिशनिधिधिं रद्यालमालका ॥ ॥

च. ५ मली हपकनीचनुकलाथनविष्काकृत ॥ ॥ पनचनुकलादकाडाक
४५ हाया ॥ ॥ म. ह. थकनीचनुकलाथनसहासकृतलयालसेनस्वसेवि
ष्काकृत. कृष्णनयन उरुयनीनगनी. वृष्णपून. दवनगन. आदित्र
नदमदहीया माजापनि ००नुसने चनुसने कामसेन. वीनसेन. अनी
यगापीसुन्दनवीन. नत्तपूनीयानाजकूमानवीनधज अनीयगापी
सुन्दनवीनदानाधर्महीलध. नानदमनीधवनयधनमूनीधवनअन

कथनडायाडाताद. कृतयालसेनस्वसेविष्काकाडापडामन ०० कृष्ण
जम्बवनययासेविष्काकृत ॥ ॥ व. ह. सूनीनिमली अचवधजिनसेया
च. ६ विवालयया ॥ ॥ पनचनुकलानस्थानमालजाकाडाकाडायाहायाहा
४५ डास्वयवनसाकमे ॥ ॥ नागनामकनि ॥ वा ॥ माधवचिन्ताजि कंदयादयमान
सूयूरुषकदाधनीधयजिम कृत ॥ ह. नि. स. ह. ग. ग. ज. य. उ. का. ही. न. ह. ल. त. लि. ह. क.
लायिडाथनदासमनममाल ॥ ॥ मयूर ॥ ॥ पनचनुकलानवीनधजस्थान
मालनकाखायकाडा लिहायायावनविष्ममा ॥ ॥ पन ००नुसनादिदहा

ॐ हृदयसेन कामसेन वीरसेन महानाजपति धनमिषि
 सत्रयमानशलोथनाजकन्यावन्दुकलानविकिधददग्यानाजावीनवज
 वनययागा ॥ थकाथसमिमिसेनसहयारमषू थवीनधजयादगगजं
 जविधंसयानजाननया ॥ ॥ वन्दुसेनादिहमहानाज ॐ हृदसेनमिमि
 सत्रयमानयकाजधनवानजागमषू हलयालसत्राण थयामात
 विष्ठाकन ॥ ॥ धन ॐ हृदसेनादिनमनलिहाजानिस्तान ॥ ॥ नागनाजवि
 जाकवत्ता ॥ नयगहाधनधनिरालत्रयमान ॥ सहयमजिजायाननन

नाना ॥ कमुदिनीसुगजयउकाननकाय थजाजनमूनकाजालूलमूलयाया ॥
 ॥ ॥ मय ॥ ॥ यकूरासाउ ॥ दि ॥ वन्दुसेनादिहमहानाज ॐ हृदसेनन
 नानेविष्ठाकन ॥ ॥ ॥ हमहानाज वन्दुसेनादिश्रवणजाननया ॥ ॥
 यतमूनीयनिवातसायाडादासयाथ्याल ॥ ॥ नानदयधनदहाजह
 हाय ॥ ॥ ना ॥ हयधनमूनीयनश्राजगथयारकन्यालायधककाम
 नानधनजयानधनिराश्रवणशलोथवक्रदरुनाजानदयामिमि
 निप्रसूवियधकवचनवियाज हयकलाश्राजथयाथससहयार

मधु॥ ॥य॥हवासानानदमूनीध्वनथनसहासजिमिसनिऊसंमाकल
 चोद ५० ॥वालरुकाहसा॥लोकसउपहासेमाउहासा॥जिनसरुयायमधुत्रुव
 ॥धुमपविया॥॥थननानदयध्वनमदरुयाधसजडाजधुमपविया
 ॥॥ना॥प॥ह॥उ॥मदरु॥ह॥या॥कल॥वाल॥सेन॥जिमि॥गव॥न॥विया॥ज॥ध
 थि॥र॥ध॥व॥ल॥का॥सा॥स्ति॥रु॥य॥कल॥त्र॥मा॥वी॥न॥ध॥ध॥थ॥ज॥ना॥क॥म॥ध॥उ॥ल॥
 स॥रु॥न॥का॥या॥ज॥म॥रु॥रु॥य॥मा॥ल॥॥॥उ॥ह॥ना॥न॥द॥य॥ध्वन॥म॥नी॥ध्वन॥त्र॥म॥ध
 ॥प॥स॥न॥रु॥या॥ज॥धुम॥प॥विया॥ज॥म॥धु॥जी॥त्र॥य॥ना॥रु॥क॥मा॥या॥स॥वि॥का॥य॥मा

लसरुमुविनती॥॥ना॥प॥या॥गु॥नि॥स॥रु॥क॥य॥य॥॥ना॥प॥ह॥म॥हा
 चोद २० ॥ना॥उ॥म॥द॥रु॥जि॥मि॥स॥व॥न॥मि॥ध॥रु॥यि॥ज॥म॥धु॥॥॥उ॥ह॥ना॥न॥द॥य॥ध्वन॥म
 नी॥ध्वन॥जि॥स॥रु॥मु॥त्र॥य॥ना॥रु॥क॥मा॥या॥स॥धुम॥प॥म॥रु॥य॥क॥वि॥का॥य॥मा॥ल॥स॥रु॥मु॥वि॥न॥ती
 ॥॥ना॥प॥ह॥म॥हा॥ना॥उ॥म॥द॥रु॥जि॥मि॥स॥व॥न॥मि॥ध॥रु॥यि॥ज॥म॥धु॥त्रु॥व॥ध्व
 न॥म॥रु॥यि॥ज॥ह॥ना॥ध॥न॥मे॥ध्वनी॥या॥रु॥या॥न॥वी॥न॥ध्व॥रु॥म॥रु॥यि॥ज॥धु॥रु॥या
 ल॥प॥री॥य॥ध॥वा॥रु॥यि॥ज॥म॥धु॥॥ह॥ना॥स॥रु॥स॥वि॥का॥य॥म॥न॥॥ज॥जि॥य॥नि॥ध॥ज॥त्रु॥य
 म॥ज॥न॥त्रा॥वि॥स॥वि॥का॥रु॥न॥॥॥उ॥म॥द॥रु॥दि॥स॥ध्व॥ह॥ना॥न॥द॥य॥ध्वन॥म॥नी॥ध्व

चरलस

च. १५

27

नञ्चवग्धविष्काङ्कनेच्छलपालसंजिपनिसृष्टमम॥ ॥ ना. य. ह. म. हा. ना. उ. व. म.
द. रु. छ. ल. प. अ. ल. त्र. न. म. म. ग. ल. ह. य. म. ल. ॥ ॥ य. न. ना. ज. अ. दि. वि. श्र. म. ना. न. दा. दि. ह.
हा. य. ॥ ॥ ना. ह. पा. सा. य. व. न. म. नी. ग्ध. न. जि. मि. स. म. न. स. मो. ह. हा. य. अ. य. च. न. थ. थि.
श्र. व. क्क. त. का. र. का. र. ल. ॥ ॥ ग्ध. न. या. र. उ. न. म. ल. ना. ज. हा. या. या. ह. ल. क्क. या. य. त्र. अ.
य. न. म. ग्ध. न. ना. ना. य. ल. या. क. वि. न. नी. या. न. ज. न. त्र. या. ॥ ॥ य. ह. ना. न. द. म. नी. ग्ध. न.
या. र. उ. न. म. ल. ना. या. ह. ल. त्र. य. ज. त्र. व. ग्ध. वि. क्क. ङ्क. ने. ॥ ॥ य. न. ना. न. दा. दि. उ. नि. पे. पि.
॥ ॥ ॥ उ. र्क. हा. सा. उ. ॥ ॥ दि. १. य. ह. पा. सा. ना. न. द. म. नी. ग्ध. न. न. ना. न. वि. क्क. ङ्क. ने. ॥ ॥

可也

保

ना. हवासाय वतम् नो ग्वन नृवम्भ सननृया ॥ ॥ ७. हनाज कृमानवीनध
जधुल्लि त्रासनसविष्ठाकृत ॥ ॥ १०. हम हानाजवप्रदल नृवम्भ ॥ ॥ ५नवी
नधमद द्वाजनाजापनिष्ठासुखवाणवान ॥ ॥ ७. हसुन्दनीय प्रावनीनत्ताव
नी आदिलाक नृजाविवाहयासामागत ताने काजापनैविष्ठासुखवाणवान
वान ॥ ॥ सर्व ॥ हम हानाज नृवम्भ विष्ठासुखवाणवान ॥ ॥ १०. हसुन्दनीय प्रावनीनत्ताव
लुण्ठ ॥ ५न नृजापनि ॥ ॥ १०. हसुन्दनीय प्रावनीनत्ताव
॥ ॥ अथय केमदिवससुन्य ॥ ॥ नाग नृजापनि ॥ ॥ १०. हसुन्दनीय प्रावनीनत्ताव

क. १५
९

नीनसनथडागनि ऊनद कामूनकवि काक ॥ मनकटमनीडसी, मसील
याहसीधनी जानायासे अनिवानलाक ॥ दयालिच्छिदयादयमाससदा
॥ ६॥ ॥ ॥ दणनलनललुलि, हलदाललच्छिदरुलि, पइमशसनमासला
क ॥ पादच्छिदवदनच्छि, मदकसविधूतच्छि, सूयगुममिखायलाक
॥ ७॥ ॥ यूगवानलानिन, धूलिलजाजादधिन ॥ लूयामनिचूत्याजात
लाक ॥ मीलमालकीखाधिन, ननयासिउन ॥ न, दडायनिदूसेवा
कलाक ॥ ८॥ ॥ कमदिनिसूनजय ॥ उकागयानिललय, याजाच्छि

क. १६
१०

नधूलिनममक ॥ डससुनकाजियन काबीयाहिल्ले ^{द्ववने} विद्यमा
लकविनथलाक ॥ ॥ म१॥ ॥ धनेवप्रदलादित्रुलकालन
३॥ ॥ ७॥ ॥ हसुन्दनीयपावनीनलावनीत्रादिलाक अणविवाह
यागसामागाललागकागथनखविविगुममयादाडाजाने ॥ ॥
सर्व ॥ हमहानागप्रदरुत्रुवग्वविगुममयासविक्राहुने ॥ ॥ वि
गुमम ॥ ॥ ७॥ ॥ हकाटवानपूनाहिनवाप्रयवादाडाहिडा ॥ ॥
का ॥ हमहानागदजिडाखजिनवादाडाहय ॥ ॥ का ॥ अणजिनपू

प.दि
३

नाहिनवानजाना ॥ थनकाटवानडादमीपा ॥ पूनाहिनकाटवा
नडायेसान ॥ नामकदाजापुताना ॥ काटवानजाननाजकुलसनना
न ॥ नयनिसयूनाहिनमइजिगुमान ॥ क्रमदिनिसनजयपुकाध
नेहलाल ॥ नाजायायवनडालेवितन्यमहल ॥ ॥ मपूरा ॥ ॥ उक
का ॥ हगिवगमनाजयूनाहिनमहनाजयात्राज्ञाननानविष्काहुने ॥
पू ॥ हकाटवानत्रवगुजनेननूया ॥ ॥ द्वि ॥ पू ॥ हकाटवानननानडाक
नेनूया ॥ ॥ का ॥ हनाजयूनाहिनत्रवगुविष्काहुने ॥ ॥ दधूस ॥ ॥

प.दि
४

काहमहानाजकुलपालसुत्राज्ञा ॥ थपूनाहिनह ॥ राहविष्कागकधूना
॥ ॥ थनउक्तदहदिदने ॥ ॥ सर्व ॥ हगिवगमनाजयूनाहिनकुल
पालसवनसजियनिसपुष्पम ॥ ॥ पूनाहिननत्राभिर्द्वियय
लक्ष्मक ॥ नाजनीतिगुदीरुनवलथूलशसथमै ॥ गगनादींदान
यास ॥ नाजाशयमालद्विसदा ॥ हमहानाजउक्तदहकुलपा
लसत्रनगमैगलशयमाल ॥ ॥ उ ॥ हपूनाहिनगिवगमपिगुलित्र
गनसविष्काहुने ॥ ॥ पू ॥ हमहानाजउक्तदहत्रवगु ॥ ॥ पूनाहिननाजादिविष्का

प. १६
५

मा ॥ ७. हसनीनिमकी विवाह यज्ञ या सामानाल सान काजहिजा ॥ म.
हमहानाजत्रवध ॥ ॥ यनमकीनसामाहयक ॥ ॥ म. हमहानाज सामानया
लरुसा कास विष्कहन ॥ ७. हसनीनिमकीत्रवध ॥ ७. हसनीनिमकी
नमि वगम्मी वीनधज नाजक मानयागजिय गीचतुकला कन्यादानविय
माल का विधियाग कस विष्कहन ॥ ॥ य. हमहानाजत्रवध ॥ ॥ य. हका
टवान वीनधज नाजक मानया सानादि कर्मयागकिजा ॥ ॥ का. हनाजय
नाहिन दजिजा खजिनयागक ॥ ॥ य. हविगलखा नत्त लेखा चतुकला

प. १६
५

यकनीसमाल सानादि कर्मयागकिजा ॥ ॥ विन. हनाजय नाहिनलरु
त्रवध ॥ ॥ यन वीनधज या वृख सानय ॥ केचतुकलाया वृख सानया
गक ॥ ॥ नियन ॥ का. हनाजय नाहिन नाजक मानया सानयाग कधना
य. हकाटवानत्रवध ॥ ॥ विन. हनाजय नाहिन यकनियासमाल
सानयाग कधनो ॥ ॥ य. हविगलखा नत्त लेखात्रवध ॥ ॥ यन यना
हिनन नाजक मानया वतुकलाया केकन वधनयाया ॥ ॥ य. हनाजक
मान वीनधज शाडा केकन वधनयाया ॥ ॥ वी. हयनाहिनत्रवधया

पु. ७

सविष्ठादने॥ ॥ पूनाहिननल्लकवाडाडा कंकनवंधनपाया॥ ॥ उम
विष्णुमहादेव यमस्य देवसाकने नित्यं मंगलशयकाडा नक्रायामा
लसदां॥ ॥ पू. हनाजकन्या ननु कला श्रुति कंकनवंधनपाया॥ ॥
वे. हनाजपूनाहिननल्लकवाडा॥ ॥ धनपूनाहिननल्लकवाडा कंकनवंधन
पायाल्लकवाडा॥ ॥ पू. हनाजनाजपूनाहिननल्लकवाडा॥ ॥ पू. हनाहिन
नल्लकवाडा॥ ॥ पू. हनाजकुमानवीनधननल्लकवाडा॥ ॥ वी. ह
नाजपूनाहिननल्लकवाडा॥ ॥ पू. हनाहिननल्लकवाडा॥ ॥ वी. हनाजकुमानवीनधननल्लकवाडा॥

पु. ८

खेनायकाने॥ ॥ पू. हनाजनाजपूनाहिननल्लकवाडा॥ ॥
उ. हनाहिननल्लकवाडा॥ ॥ पू. उ. हनाजमानधननल्लकवाडा॥ ॥ वी. ह
महानाजपूनाहिननल्लकवाडा॥ ॥ पू. उ. हनाजकुमानवीनधननल्लकवाडा॥ ॥
॥ ॥ वी. हनाजनाजपूनाहिननल्लकवाडा॥ ॥ पू. उ. हनाजकुमानधननल्लकवाडा॥
यकासविष्ठादने॥ ॥ वी. हनाजनाजपूनाहिननल्लकवाडा॥ ॥ पू. उ. हनाजकुमानवी
नधननल्लकवाडा॥ ॥ वी. हनाजनाजपूनाहिननल्लकवाडा॥ ॥ वी. हनाजकुमानधननल्लकवाडा॥
॥ ॥ पू. उ. हनाजकुमानधननल्लकवाडा॥ ॥ वी. हनाजनाजपूनाहिननल्लकवाडा॥

प. ५५
५

यू. हेम हाना जव प्रदरु हेम हाना तीव प्रावती न्नाडा कन्या दान विसे विष्णु
हुने ॥ ॥ नागा नाती हयू नाहि न भिवग म्मात्रि वग्ग ॥ ॥ यू. हेम हाना जव प्रदरु
लेह लेखा नाज कन्या वतु कला थंन विष्णु कन्या ॥ ॥ वि. न. हेम हाना जव प्रदरु
हि नत्र वग्ग ॥ ॥ थन वतु कला सत्ति वनि सन वादा उरुय ॥ ॥ सखी
रुध कनी वतु कला कन्या दान या थस विष्णु हुने ॥ ॥ व. हेम हाना जव प्रदरु
त्वान लेख वग्ग ॥ ॥ थन वतु कला जग जव प्रदरु या थस वान ॥ ॥
यू. हेम हाना जव प्रदरु न्नाडा कन्या दान विसे विष्णु हुने ॥ ॥ उ. हेम हाना

प. ५६
५७

हि न भिवग म्मात्रि वग्ग ॥ ॥ यू. हेम हाना तीव प्रावती न्नाडा कन्या दान विसे विष्णु
स विष्णु हुने ॥ ॥ य. हेम हाना तीव प्रावती न्नाडा कन्या दान विसे विष्णु हुने ॥ ॥ थन नाती न लेख हाय क
नाजान कन्या दान विय ॥ ॥ यू. उ. न्नाडा कन्या दान विसे विष्णु हुने ॥ ॥ थन नाती न लेख हाय क
कति (पे) ज थन न्नाडा कन्या दान विसे विष्णु हुने ॥ ॥ थन नाती न लेख हाय क
थ नाती गग स विष्णु नी ज थन नाती गग स विष्णु हुने ॥ ॥ थन नाती न लेख हाय क
य स थन नाती गग स विष्णु नी ज थन नाती गग स विष्णु हुने ॥ ॥ थन नाती न लेख हाय क
प्रदरु वग्ग (पे) नाज यू. जी वतु कलाना म्मी न्नाडा कन्या दान विसे विष्णु हुने ॥ ॥